डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
11 अक्टूबर 2025 शनिवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
28 अधिकतम
17 न्यूनतम

मैने चांद और सितारों की तमन्ना की थी, लेकिन रातों की सियाही के सिवा कुछ न मिला..

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

शांति के नोबल की घोषणा के बाद साहिर लुधियानवी द्वारा चंद्रकांता फिल्म के लिए लिखा और रफी साहब द्वारा गया यह गाना अनायास ही याद आ गया--- ''मैने चांद और सितारों की तमन्ना की थी, मुझको रातों की सियाही के सिवा कुछ न मिला--- '' डोनाल्ड ट्रंप ने यूएसए का राष्ट्रपति बनते ही क्या- क्या नहीं किया? टैरिफ वार के जरिए दुनिया को झिंझोड़ डाला। सरकारी खजाने से यात्राओं में उन्होंने अपने फेमिली बिजनेस को बढ़ाने के साथ शांति के नोबल की खातिर जमीन आसमाान एक कर दिया। लेकिन वे रूस-यूक्रेन युद्ध में घी डालने के लिए नाटो देशों पर दवाब बनाते रहे। ईरान पर खुद भी बमबारी कराई। पाकिस्तानी फील्ड मार्शल मुल्ला असिम मुनीर के साथ सौदेबाजी की। पाकिस्तान और इसरायल से शांति के नोबल के लिए खुद को नॉमीनेट भी कराया। लेकिन नोबल पुरस्कार समिति ने विश्व में अशांति का सबब बने ट्रंप की जगह वेनेजुएला में बीते दो दशकों से तानाशाही के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीकों से शांतिपूर्ण संघर्षरत मारिया कोरीना मचाडो को इसका असली हकदार

माना और ट्रंप के दावों को खारिज कर दिया। नोबल नहीं पाने पर टीम ट्रंप ने इसे 'पीस के लिए नहीं बल्कि पॉलिटिक्स' का पुरस्कार बताते हुए खीझ निकालना शुरू कर दी है। अब लाख टके का सवाल यह है कि दुनिया के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति को नोबल नहीं मिलने का नजला किस पर गिरेगा।

नोबल पुरस्कारों के लिए नेटविर्किंग और लाबीइंग के किस्से तो तैरते रहते हैं लेकिन ट्रम्प ऐसे शख्स हैं जो खुद को शांति का मसीहा बताते हुए शांति का नोबल पाने की हसरत पाल बैठे थे। उनका मलाल यह रहा है कि बराक ओबामा को 2009 में राष्ट्रपति बनने के नौ महीनों में यह अवार्ड मिल गया लेकिन उनकी दावेदारी दो-दो बार देश का मुखिया बनने के बाद भी नहीं मानी गई। ट्रंप का दावा था कि उन्होंने छह महीने के अपने कार्यकाल में सात युद्ध रुकवाए। लेकिन ज्यादातर देशों में युद्ध रुकवाने के उनके दावों में दम नहीं था। यदि अशांति का कोई नोबल रखा जाए तो शायद ट्रंप इसके लिए सबसे फिट साबित होंगे। नोबल समिति ने साफ कर दिया कि यदि शांति का पुरस्कार ट्रंप को मिलता तो दुनिया में यह संदेश जाता कि दादागिरी के दम पर इसे कोई भी हासिल कर सकता है। जहां तक मारिया कोरीना मचाडो को नोबल मिलने का सवाल है तो शांति पूर्ण संघर्ष के जरिए वेनेजुएला में लोकतंत्र की बहाली की लड़ाई लडने वाली इस आयरन लेडी को चुना गया। मारिया ने दरियादिली दिखाते हुए वेनेजुएला के लोगों का लोकतंत्र की लड़ाई में साथ देने के लिए इस पुरस्कार को ट्रंप के नाम समर्पित किया है।

छह महीनों में शांति कराने के ट्रंप के आठ दावों में कितना दम

1-**ट्रंप** ने मई से लेकर अब तक तीस दफे दावे किए कि पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत के आपरेशन सिंदूर को परमाणु युद्ध में तब्दील होने से उन्होंने रोका । भारत ने उनके दावे को सिरे से खारिज कर दिया, लेकिन पाक ने एक तरफ भारत के योगदान को माना तो दूसरी तरफ अपने निहित स्वार्थों की खातिर मुल्ला आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका की भी तारीफ की और नोबल के लिए उन्हें नामीनेट करने में जरा भी देरी नहीं की।

2- **रवांडा** और डीआर कांगो के बीच शांति के लिए उनका दावा था कि व्हाइट हाउस ने रवांडा और डीआर कांगो के बीच आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय संप्रभुता के सम्मान के लिए समझौते कराया। जबकि पूर्वी डीआर कांगो में हिंसा के लिए जिम्मेदार सशस्त्र समूह एम 23 को इसमें शरीक नहीं किया। इस समूह की जड़ें रवांडा के तुत्सी समुदाय में हैं। यह समझौता शांति नहीं बल्कि अमेरिका को खनिज क्षेत्र में निवेश करने का अधिकार देता है। जाहिर है वहां भी शांति बहाल नहीं हुई। जुलाई में इस संघर्ष में लगभग 400 लोग मारे गए।

3-**इजराइल** और ईरान के बीच संघर्ष में क्या ट्रंप शांति वार्ताकार माने जा सकते हैं जबकि उन्होंने खुद अमेरिका वायुसेना से ईरानी ठिकानों पर बम गिराए? यह युद्धविराम नहीं बल्कि एक सामरिक विराम अधिक लगता है।

4- **कंबोडिया** और थाईलैंड के बीच दवाब की शांति वार्ता के बावजूद दोनों देशों के बीच सीमा संघर्ष बढ़ा है।

5- **ट्रंप** का यह दावा भी बेदम है कि अमेरिका ने मलेशिया और चीन के बीच समझौता कराया। टैरिफ बढ़ाने के दवाब के चलते हुआ यह समझौता नाजुक मोड़ पर है। दोनों पक्ष पहले ही एक-दूसरे पर उल्लंघन आरोप लगा चुके हैं।

6- **आर्मेनिया** और अजरबैजान में आर्थिक प्रोत्साहनों के माध्यम से 8 अगस्त को दोनों देशों के बीच शांति समझौते की हैरतनाक घोषणा हुई। जबकि हकीकत यह है कि दशकों के संघर्ष के बाद दोनों देश अजरबैजान के नखचिवन क्षेत्र तक एक गलियारा खोलने को राजी हुए हैं जिसे ट्रम्प रूट फॉर इंटरनेशनल पीस एंड प्रॉस्पेरिटी नाम दिया गया। इसका प्रशासन अमेरिका करेगा। यूएसए ने 99 वर्षों के इस क्षेत्र में निवेश के अधिकार सुरक्षित कर लिए हैं।

7- **ट्रंप** का दावा है कि नील नदी पर जीईआरडी बांध को लेकर इजिप्ट यानि मिस्र और इथियोपिया के बीच संघर्ष को उन्होंने रूकवाया। लेकिन न तो कोई समझौता हुआ है और न ही कोई युद्ध रूका।

8- **सर्बिया-कोसोवो** में ट्रम्प ने पहले आर्थिक सामान्यीकरण से संबंधित एक समझौते पर बातचीत की थी। अब वह टैरिफ की धमकी देकर युद्ध टालने का दावा कर रहे हैं। पर न तो कोई समझौता हुआ और न ही कोई युद्ध रूका।

अंत में सवाल यही है कि खिसियाए जिद्दी मिजाज के ट्रंप अपनी खीझ दुनिया के किन देशों पर निकालेंगे और दूसरे मुल्कों के साथ अपने ही देश की अर्थव्यवस्था को कितना चौपट करेंगे?

न्यूज विंडो

टेस्ट क्रिकेट में शुभमन गिल का दसवां शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ कमाल का प्रदर्शन जारी रखते हुए सेंचुरी ठोक दी है। ये गिल के टेस्ट करियर की कुल 10वीं सेंचुरी है। मैच की पहली पारी में गिल 177 गेंद पर अपना शतक पूरा किया। इस पारी में कुल 13 चौके और 1 छक्का शामिल था। इस शतक के दम पर उन्होंने विराट कोहली के एक रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है।

60 लाख के इनामी 3 माओवादियों ने किया सरेंडर

दंतेवाड़ा, एजेंसी। तेलंगाना में लंबे समय से भूमिगत रहे तीन कुख्यात माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें दो पति-पत्नी भी शामिल हैं। ये तीनों क्रमशः 36, 35 और 21 वर्षों से अंडरग्राउंड थे। ये तीनों माओवादी बस्तर डिविजनल कमेटी और दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य थे। बता दें कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के नाम कुनकती वेंकटैया उर्फ रमेश, मोगिलिचेरला वेंकटराजू उर्फ एर्रा राजू और थोडेम गंगा उर्फ गंगाव्वा है। इन पर 20-20 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इन माओवादियों ने तेलंगाना पुलिस डीजीपी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

अनिल अंबानी की रिलायंस पावर के अफसर को ईडी ने पकड़ा

मुंबई, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के रिलायंस समूह (अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप) के एक शीर्ष अधिकारी को धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, रिलायंस पावर के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) अशोक पाल को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत हिरासत में लिया गया। गौरतलब है कि ईडी अनिल अंबानी समूह की कई कंपनियों से जुड़े हजारों करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच कर रही है।

आज का कार्टून

पॉश इलाके की गृह निर्माण संस्थाओं के कारनामों की पोल खोलता मामला

अफसर-बिल्डर के गठजोड़ ने हड़प ली सोसायटी की जमीन

7 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के कर्ताधर्ता, रसूखदार अफसर और बिल्डर माफिया का गठजोड़ राजधानी में न सिर्फ लोगों की गाड़ी कमाई डकार रहा है बल्कि उनका एक अदद प्लॉट का सपना भी टूट रहा है। शहर की शायद ही कोई ऐसी पॉश एरिया की सोसायटी होगी जहाँ इन ताकतवर लोगों ने सदस्यों का हक मारकर प्लॉट न हथियाए हों इनमें सहकारिता विभाग के आला अफसरों सहित आईएएस अधिकारी और पूर्व न्यायाधीश तक शामिल हैं। पीड़ितों की न्याय की गुहार सालों साल अनसुनी रह जाती है।

ऐसा ही एक मामला गौरव गृह निर्माण सोसाइटी का है जहाँ वास्तविक सदस्यों को तो प्लॉट नहीं मिले, अफसरों और अन्य रसूखदारों ने हड़प लिए। यही नहीं सोसायटी के पदाधिकारियों ने एक बड़े बिल्डर को जमीन का बड़ा हिस्सा दे दिया ऊंची कीमतों पर सदस्यों से सौदे किए। करीब 17 सालों की लम्बी लड़ाई के बाद आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने फर्जीवाड़े का आपराधिक केस दर्ज किया है।

चिंताजनक बात यह है अपने हक से वंचित रह गए सोसायटी के सदस्य लगातार आला अफसरों तक अपनी बात पहुंचते रहे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। 2008 में सदस्यों द्वारा की गई शिकायत पर अब जो एफआईआर दर्ज हुई है, उसकी इबारत चौंकाने वाली है। इसमें कहा गया है कि संस्था के अध्यक्ष संतोष जैन ने कार्यकाल खत्म होने के बाद भी पद नहीं छोड़ा। आमसभा की अनुमति के बिना वास्तविक सदस्यों को बाहर कर फर्जी लोगों के नाम जोड़ दिए। इतना ही नहीं संस्था की अधिकांश जमीन (करीब पांच एकड़) शुभलाय विला नाम से कॉलोनी बनाने वाले बिल्डर मनोज सिंह मीक को सौंप दी। मीक वर्तमान में भोपाल क्रेडाई के अध्यक्ष हैं।

फर्जीवाड़े के किरदार

संतोष जैन

नंदा खरे और शिशिर खरे

कार्रवाई से हैरान हूं -मीक

इस संबध में शुभलाय बिल्डर के पार्टनर और क्रेडाई अध्यक्ष मनोज मीक का कहना है कि वे इस कार्रवाई से हैरान हैं। वे 2005 में ही फर्म से रिटायर हो गए थे। कुछ साल पहले जांच के बाद रिपोर्ट से उनका नाम हटा दिया गया था। वे निर्दोष हैं और कानून के साथ हैं। कानूनी सलाहकारों से चर्चा करेंगे।

क्रेडाई की साख पर सवाल

रियल स्टेट के काले कारोबार में क्रेडाई (CREDAI) यानि भारतीय रियल एस्टेट डेवलपर्स संघों का परिसंघ एक प्रतिष्ठित संस्था है। संस्था दावा करती है कि उनके सदस्य बेस्ट क्वालिटी और ग्राहकों के हितों के लिए काम करते हैं। माना जाता है कि यदि कोई बिल्डर क्रेडाई का सदस्य है तो उस पर भरोसा किया जा सकता है। लेकिन अब इसी के स्थानीय अध्यक्ष पर बड़े फर्जीवाड़े में शामिल होने का न सिर्फ आरोप लगा है बल्कि आपराधिक मामला दर्ज हो गया है।

अफसर ने पत्नी को दिलाया प्लॉट

ईओडब्ल्यू की जांच में हैरानी वाला राज यह भी सामने आया की जिन प्लॉट को नगर निगम में बंधक रखा गया था, उन्हें भी नियमों के विपरीत अन्य व्यक्तियों को बेच दिया गया। तत्कालीन सहकारिता उपायुक्त बबलू सातनकर ने संस्था की गड़बड़ियों को जानबूझकर नजरअंदाज किया और अपनी पत्नी सुनिता सातनकर को अवैध सदस्य बनवाकर प्लॉट नंबर 7 की रजिस्ट्री करवाई।

बाहर के लोगो को दो-दो प्लॉट

जिन 49 विक्रय पत्रों के जरिये प्लॉट बेचे गए उनमें कई खरीदार भोपाल से बाहर के थे। इनमें से कुछ को दो-दो प्लॉट दिए गए। जांच में साफ हुआ कि संतोष जैन और शुभालय विला के भागीदारों ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत संस्था की जमीन हड़पने, मूल सदस्यों को वंचित करने, सहकारी अधिनियमों की अवहेलना कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भूखण्ड आवंटन व विक्रय करने की सुनियोजित योजना बनाई गई थी।

फर्जीवाड़े के आरोपी

आरोपियों में गौरव गृह निर्माण संस्था के तत्कालीन अध्यक्ष संतोष जैन, मेसर्स शुभालय विला के पार्टनर शिशिर खरे, नंदा खरे, मनोज सिंह मीक, तत्कालीन उपायुक्त, सहकारिता विभाग बबलू सातनकर, उनकी पत्नी सुनीता सातनकर और सोसायटी की पूर्व अध्यक्ष अनिता बिस्ट भट्ट शामिल हैं।

प्रदेश में पर्यटन के लिए आज से तीन दिनी ट्रैवल मार्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

तीन दिवसीय मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट (एमपीटीएम) 2025 की आज शुरुआत होगी। आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाम 6 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसका उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी उपस्थित रहेंगे। मार्ट में 27 देशों के 100 से अधिक विदेशी टूर ऑपरेटर, 150 घरेलू टूर ऑपरेटर, 355 सेलर्स, फिल्म जगत से जुड़े प्रतिनिधि और मीडिया सहित कुल 700 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। इसका उद्देश्य प्रदेश को टूरिज्म के क्षेत्र में पहली पसंद बनाना है।

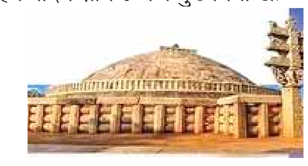

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन एसोसिएशन फॉर टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) के प्रेसिडेंट रवि गोसाईं, प्रसिद्ध अभिनेता रघुवीर यादव, हर्षिल टूर एण्ड ट्रेवल्स के कोफाउण्डर प्रवीण शाह, आईएचसीएल के प्रवीण चंदेर कुमार और क्यूरियस जर्नी की संस्थापक मिशेल इमेलमेन उपस्थित रहेंगे।

अफगानी मंत्री ने महिला पत्रकारों की एंट्री रोकी

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगाने पर विवाद हो गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा- भारत में हमारे ही देश की कुछ सबसे सक्षम महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया गया, जबकि महिलाएं ही देश की रीढ़ और गौरव हैं।

वहीं, विवाद बढ़ने पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका कोई रोल नहीं था। न ही उनकी तरफ से पत्रकारों को बुलाया गया था। अफगान दूतावास भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। बता दें कि अफगानी विदेश मंत्री 9 से 16 अक्टूबर तक भारत दौरे पर हैं।

सिर्फ पुरुष पत्रकारों से की बात

अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर मुत्तकी 9 अक्टूबर से भारत दौरे पर हैं। उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों मंत्रियों की मीटिंग के बाद कोई जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई। अफगानी मंत्री ने अकेले अफगानिस्तान दूतावास में मीडिया से बात की। हालांकि, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में केवल चुनिंदा पुरुष पत्रकार और अफगान दूतावास के अधिकारी ही शामिल हुए।

मेट्रो एंकर

नीति आयोग की रिपोर्ट- जॉब प्रोफाइल और विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए तैयार हो वर्कफोर्स

AI टैलेंट मिशन, 2031 तक टेक सर्विस में 40 लाख नई नौकरियां

नई दिल्ली, एजेंसी

AI अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन के रोडमैप को लेकर नीति आयोग ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें बताया गया है कि 2031 तक टेक सर्विस इंडस्ट्री में देश में 40 लाख अतिरिक्त यानी नई जॉब्स के अवसर हैं। नेशनल AI टैलेंट मिशन शुरू कर भारत को विश्व की एआई वर्कफोर्स कैपिटल बनाने के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा। इसके लिए सभी मंत्रालय, विभाग मिलकर काम करेंगे। स्कूल- कॉलेजों से लेकर यूनिवर्सिटीज में करिकुलम को अमेरिकी शिक्षण संस्थानों की तरह जल्द रिवाइज किया जाएगा। एआई के दौर में चुनौतियां हैं तो वहीं अवसर भी हैं। बस नई तकनीक के दौर में बदलते जॉब प्रोफाइल और विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए वर्कफोर्स तैयार की जाए।

सही अप्रोच बढ़ाएगी जॉब्स

कम्प्यूटर, वेब को डेटा बैकबोन के रूप में एआई को वास्तविकता बना दिया है। भारत का आईटी और बीपीओ सेक्टर 250 अरब डॉलर का है, जो करीब 75 लाख लोगों को (2023 तक) रोजगार देता है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि एआई की चुनौती है, अगर सही अप्रोच और बेहतर समन्वय के साथ आगे बढ़ा जाए तो 40 लाख अतिरिक्त रोजगार पैदा हो सकते हैं। यह 60 लाख तक भी हो सकता है। आईटी सेक्टर की कस्टमर सर्विसेज में 2023 के आंकड़ों के अनुसार वर्कफोर्स 25 लाख है, जो अगले पांच वर्षों में 31 लाख भी हो सकती है। अगर भारत रणनीतिक रूप से कार्य करता है, तो आईटी टेक सेक्टर में जॉब भी बढ़ेंगी और भारत को विश्व का एआई टेलेंट हब बनाने की स्थिति भी बनेगी। AI रेडी वर्कफोर्स का निर्माण करने के लिए सरकार, अकादमिक क्षेत्र और उद्योग को एकजुट होकर काम करना होगा। यह रोडमैप दोहरे उद्देश्य को पाने के लिए बनाया गया है। एडवांस एआई सिस्टम तैयार करने के लिए टैलेंट को तैयार करना और ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस तकनीक की ट्रेनिंग देना जरूरी है। नीति आयोग ने एकीकृत इंडिया एआई टैलेंट मिशन का प्रस्ताव दिया है।

भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम

उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. विनीत जोशी ने कहा कि इस रिपोर्ट के दो स्पष्ट संदेश हैं कि बदलती जा रही तकनीक के इस दौर में बहुत तेज गति से काम करना होगा ताकि भारत को नई ऊंचाईयों पर ले जाया जा सके। एक संदेश यह है कि एआई के दौर में अलग-अलग तरह के रोल परिभाषित किए गए हैं और उन सभी रोल्स के लिए वर्कफोर्स को तैयार करना होगा। अवसरों की कमी नहीं होगी, अगर उस क्षेत्र में विशेषज्ञों को तैयार किया जा सके।

गुलाबी ठंड की दस्तक: सुबह-शाम का गिरा तापमान

भोपाल। ठंड ने दस्तक दे दी है। सुबह शाम का तापमान गिरने की वजह से सर्दी का एहसास हो रहा है। आमतौर पर अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े से ठंड शुरू होती है लेकिन इस बार पहले पखवाड़े में ही पारा गिर रहा है। पिछले 24 घंटे के तापमान की बात करें तो राजधानी भोपाल में या 18 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

किरण सिंह राठौड़ बनीं महिला इकाई की प्रदेश अध्यक्ष

भोपाल। श्री राजपूत करणी सेना संगठन ने किरण सिंह राठौड़ को मध्यप्रदेश महिला इकाई का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति करणी सेना के संस्थापक स्व. लोकेन्द्र सिंह कालवी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराणा की सहमति से की गई है। प्रदेश प्रभारी दिलीप सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष सहेन्द्र सिंह ने किरण सिंह राठौड़ को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। परशुराम सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील पांडे, भोपाल जिलाध्यक्ष हेमंत सिंह सुरेंद्र सिंह, विक्रम सिंह ठाकुर, संजय सिंह ठाकुर, रागिनी राजपूत, सचिन राजपूत, मधु, बबली, सविता, संध्या, रश्मि सहित संगठन से जुड़े सैकड़ों करणी सैनिकों ने उनका स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। किरण सिंह ने कहा कि वे संगठन की नीतियों व सिद्धांतों के अनुरूप महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, समाज सेवा और स्वाभिमान की रक्षा के लिए समर्पित रहेंगी। इस नियुक्ति से यह स्पष्ट होता है कि करणी सेना न केवल युवाओं और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चल रही है, बल्कि नारी शक्ति को भी नेतृत्व में आगे लाकर सामाजिक बदलाव की मजबूत आधारशिला रख रही है।

राज्य उपभोक्ता आयोग ने सुनाया फैसला

वायरिंग सही से नहीं करने पर बिजली कंपनी को देना होगा 16 हजार का हर्जाना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एक उपभोक्ता के यहां बिजली कंपनी ने बिजली मीटर लगाया, लेकिन वायरिंग सही से नहीं की गई, जिससे शार्ट सर्किट हो गया और उपभोक्ता के घर में लगाया गया इनवर्टर जल गया। जब उपभोक्ता ने बिजली कंपनी में शिकायत की तो वे मानने के लिए तैयार नहीं थे। मामला जिला उपभोक्ता आयोग में पहुंचा। आयोग ने उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया और साढ़े 16 हजार रुपये का हर्जाना बिजली कंपनी पर लगाया।

राज्य आयोग ने भी उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया- बिजली कंपनी ने इस फैसले के खिलाफ राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील की। जहां राज्य आयोग ने भी उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया और जिला आयोग द्वारा दिए गए आदेश को सही माना। दरअसल, बुरहानपुर जिले के नेपानगर निवासी संजय कुमार पंवार ने मप्र पश्चित क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के खिलाफ शिकायत की थी। आयोग ने बिजली कंपनी को आदेशित किया कि उपभोक्ता को 14 हजार रुपये इनवर्टर की कीमत और ढाई हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति राशि देनी होगी। यह भी आदेश दिया कि अगर साढ़े 16 हजार रुपये की राशि डेढ़ महीने के अंदर नहीं देने पर 12 प्रतिशत ब्याज के साथ देना होगा।

बिजली कंपनी के तर्क को खारिज कर दिया

बिजली कंपनी ने तर्क रखा कि कंपनी के कर्मचारियों ने उपभोक्ता के बिजली मीटर को सही हालत में लगाकर कनेक्शन चालू किया गया था। आउटगोईंग वायरिंग या परिसर की वायरिंग से कनेक्टेड उपकरणों के नुकसान के लिए बिजली कंपनी की कोई जवाबदारी नहीं होती है। निरीक्षण के दौरान भी बिजली कंपनी की गई वायरिंग सही पाई गई थी। अगर मीटर फिटिंग में की गई वायरिंग में कोई गड़बड़ी होती तो बिजली प्रदान होने पर ही फाल्ट हो जाता,लेकिन ऐसा नहीं हुआ था।

धमाका हुआ और आग निकलने लगी

उपभोक्ता का कहना था कि जिस दिन मीटर फिटिंग की गई। उसी रात में नौ बजे पावर सप्लाई बंद हुई तो इनवर्टर चालू किया गया, लेकिन वह चालू नहीं हुआ। उसमें से चिंगारियां निकलीं, धमाका हुआ और आग निकलने लगी, जिसके कारण इनवर्टर की बैटरी जलकर काली हो गई। मिस्त्री को बुलाकर दिखाने पर बताया कि मीटर फिटिंग में वायरिंग गलत की गई है। इस कारण इनवर्टर जल गया। मामले में बिजली कंपनी के तर्क को आयोग ने खारिज कर दिया।

बिजली कंपनी ने मीटर फिटिंग में वायरिंग गलत की थी, जिसका मिस्त्री से दिखवाया भी गया था। कंपनी के कर्मचारियों की गलती से इनवर्टर जल गया था ।इस कारण आयोग ने उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया और बिजली कंपनी पर हर्जाना लगाया। **– मोना पालीवाल, उपभोक्ता की अधिवक्ता**

राजधानी में खौफ, मरीज पूछ रहे- यह सिरप सुरक्षित या नहीं, डॉक्टर बोले-

कोई जान लेने के लिए दवा नहीं लिखता, आयुर्वेद विशेषज्ञ ने दिए प्राकृतिक इलाज कराने के टिप्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छिंदवाड़ा की घटना ने प्रदेश में दवा सुरक्षा को लेकर गहरा डर पैदा कर दिया है। मरीज अब डॉक्टरों से पूछ रहे हैं कि क्या ये कफ सिरप सुरक्षित हैं? पहली बार, खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारी को लेकर लोगों में इतना अविश्वास देखने को मिल रहा है।

गांधी मेडिकल कॉलेज के श्वांस रोग विशेषज्ञ डॉ. पराग शर्मा ने कहा कि बच्चों की मौत ने डॉक्टरों और मरीजों के बीच विश्वास की दीवार में दरार डाल दी है। वहीं, आयुर्वेद विशेषज्ञ मानते हैं कि आधुनिकता के साथ हमने बिना जांच-परख की दवा पर भरोसा करने की आदत पाल ली है, जो अब घातक साबित हो रही है।

डॉक्टर बोले- डर बेवजह नहीं, लेकिन अधूरी जानकारी- गांधी मेडिकल कॉलेज के श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. पराग शर्मा कहते हैं कि रोजाना मेरे पास सर्दी-जुकाम की शिकायत वाले 30 से ज्यादा मरीज आते हैं। अब लगभग हर मरीज दवा लिखने से पहले पूछता है कि क्या ये वही सिरप तो नहीं जिसमें जहर मिला था?

यह डर बेवजह नहीं, लेकिन अधूरी जानकारी से पैदा हुआ है। मरीजों को समझना चाहिए कि जो बड़ी, प्रमाणित कंपनियां हैं, उनकी कफ सिरप पूरी तरह सुरक्षित हैं। ये दवाएं कठोर जांच और क्वालिटी कंट्रोल से गुजरकर बाजार में आती हैं। हां, वे थोड़ी महंगी जरूर होती हैं, लेकिन सुरक्षित हैं।

डॉक्टर जान लेने के लिए दवा नहीं लिखते

गांधी मेडिकल कॉलेज के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश टिक्कस कहते हैं कि इस समय बच्चों में खांसी-जुकाम के केस बढ़े हैं, मौसम बदलने से यह सामान्य है। लेकिन इस हादसे ने मरीज और डॉक्टर के बीच का विश्वास हिला दिया है। लोग अब दवा को शक की नजर से देखते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि कोई डॉक्टर किसी की जान लेने के लिए दवा नहीं लिखता।

खांसी बीमारी नहीं, उसका एक लक्षण

श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. पराग शर्मा बताते हैं कि असली समस्या 'ओवर द काउंटर' यानी बिना डॉक्टर की सलाह पर खरीदी जाने वाली दवाएं हैं। लोग मेडिकल स्टोर से सीधे सिरप खरीद लेते हैं, चाहे वो एलोपैथिक हो, आयुर्वेदिक या होम्योपैथिक। वे भूल जाते हैं कि खांसी कोई बीमारी नहीं, बल्कि बीमारी का लक्षण है। जब तक असली कारण नहीं पहचानते, सिर्फ कफ सिरप पीते रहना शरीर के लिए हानिकारक है। डॉ. शर्मा के अनुसार, जो फॉर्मूला (जैसे कोल्ड्रिफ) बच्चों में इस्तेमाल हुआ, वो पहले से छोटे बच्चों के लिए नहीं है।

कफ सिरप अस्थायी उपाय, आयुर्वेद में नॉन केमिकल इलाज- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (गोवा) के विभागाध्यक्ष डॉ. नितिन उज्जलिया मानते हैं कि बच्चों की समस्या आधुनिक जीवनशैली और कमजोर पाचन प्रणाली से जुड़ी है। आयुर्वेद कहता है कि अग्नि यानी पाचन शक्ति ही स्वास्थ्य की जड़ है।

हॉकर्स कॉर्नर का फंड निगम ने डायवर्ट किया

एमपी नगर जोन-2 के दुकानों का मामला सीएम तक पहुंचा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर जोन-2 के व्यावसायिक क्षेत्र में पार्क के लिए आरक्षित जमीन पर दुकानों का निर्माण हो रहा है। यह वही ओपन स्पेस है जिसे 1970-80 के दशक में भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने खुली हवा और पार्किंग के लिए छोड़ा था। अब इस क्षेत्र में निगम ने 32 पक्की दुकानों का निर्माण शुरू कर दिया है। रहवासी और व्यापारी संगठनों ने इसे अवैध बताते हुए मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने इसकी शिकायत भी सीएम से की है।

व्यापारियों का कहना है कि भारत सरकार ने शाहपुरा में हॉकर्स कॉर्नर के विकास के लिए सवा करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की थी। कानूनी अड़चनों के बाद नगर निगम ने यह प्रोजेक्ट एमपी नगर क्षेत्र में डायवर्ट कर दिया। यह भूमि बीडीए की लीज पर है, जबकि निर्माण निगम करा रहा है।

पार्किंग सबसे बड़ी समस्या

एमपी नगर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में पहले से पार्किंग की बड़ी समस्या है। खुले क्षेत्र में दुकानों के निर्माण से स्थिति और बिगड़ेगी। हर नई दुकान से औसतन 3-4 वाहन जुड़ेंगे, यानी करीब 100 वाहनों की अतिरिक्त पार्किंग जरूरत बनेगी। लोगों ने मांग की है कि निर्माण तत्काल रोका जाए और जमीन का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जाए, जिसके लिए आरक्षित थी। यहां पर दुकानों के शटर और शेड तक नहीं लगे हैं। इसके बाद भी गुमठियां रखी गई हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले दो महीने से इस मामले पर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन न तो महापौर और न ही नगर निगम कमिश्नर ने इसे रोका। इस कारण अब सीएम से शिकायत करनी पड़ रही है।

कल नारायण नगर बस्ती में आरएसएस का 5 स्थानों से पथ संचलन

हर घर से एक व्यक्ति को न्योता, प्रबुद्ध जन और मातृ शक्तियां भी होंगी शामिल

सुनील भंडारी, भोपाल,

होशंगाबाद रोड स्थित नारायण नगर कॉलोनी के 5 स्थानों से निकलने वाले पथ संचलन में शामिल होने हर घर से एक व्यक्ति को न्योता भेजा गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दशहरा पर्व पर निकलने वाला सालाना पथ संचलन यहां रविवार, 12 अक्टूबर को निकलेगा। खास बात यह कि संघ द्वारा एक माह से हर घर से एक व्यक्ति को पथ संचलन में भाग लेने का न्योता दिया जा रहा है। संघ का लक्ष्य इस पथ संचलन के लिए अधिकतम स्वयंसेवक जुटाने का है। लोगों में पथ संचलन में शामिल होने के प्रति बेहद उत्साह है और उनके लिए संघ ने स्वयंसेवक की यूनिफॉर्म भी तैयार करवाई है। कल पथ संचलन सुबह 8 से 8.30 के बीच निकलेंगे। संघ ने इस बार पथ संचलन में व्यापारी, उद्योगपति, समाजसेवी, डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, कॉर्पोरेट सेक्टर के कर्मचारी और अन्य पेशेवरों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया है। संचलन में सभी स्वयंसेवक संघ के पारंपरिक गणवेश में रहेंगे। शताब्दी वर्ष में निकलने वाले पथ संचलन को लेकर स्वयंसेवकों में खासा उत्साह है। सैकड़ों समाज संघ के पथ संचलन के स्वागत हेतु जुटेंगे।बड़ी संख्या में महिलाएं रंगोली सजाकर स्वागत में पुष्पवर्षा कर आरती उतारेंगी। ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ता शामिल हों, इसके लिए स्वयंसेवक पूरे नारायण नगर बस्ती में घर-घर दस्तक दे रहे हैं। पथ संचलन के मार्ग को भगवा ध्वजों (पताकाओं) से सजाया जाएगा।

इन स्थानों से निकलेगा पथ संचलन...

मिसरोद सरकारी स्कूल से मिसरोद गांव होते हुए गांधी मोहल्ला तथा रामलीला मैदान से संजय नगर, टी. एम. कान्वेंट स्कूल, हिमालय रेजिडेंसी होते हुए नर्मदापुरम मेन रोड पर पैदल मार्च करते हुए कोरल वुड्स सोसाइटी के हर ब्लाक के सामने से गुजरते हुए बैडमिंटन कोर्ट पर समापन होगा।

आरजीपीवी बस फीस छूट के नए नियम

गलत शपथ-पत्र पर लगेगा जुर्माना, होगा निष्कासन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूआईटी) ने बस फीस में छूट के लिए नए नियम जारी किए हैं। केवल वे छात्र-छात्राएं, जो कॉलेज से 5 किमी के भीतर रहते हैं और बस सुविधा का उपयोग नहीं करते, 16 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं।

यूजी फर्स्ट ईयर के विद्यार्थियों के लिए बस सेवा अनिवार्य रहेगी, इसलिए वे छूट के पात्र नहीं होंगे। आवेदन के साथ छात्रों को 10 रुपए के नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पर शपथ-पत्र देना होगा, जिसमें निवास स्थान, दूरी और अवधि का उल्लेख आवश्यक होगा। किराए से रहने वाले छात्रों को यह शपथ-पत्र मकान मालिक के साथ, जबकि माता-पिता के साथ रहने वालों को अभिभावक के साथ देना होगा। गलत जानकारी देने पर 9600 रुपए जुर्माना और 6 माह के निष्कासन की कार्रवाई की जाएगी।

13 अक्टूबर को सुरों की शाम, यादों का कारवां

भोपाल में अनिल श्रीवास्तव के स्वर में होंगे किशोर के सदाबहार नगमे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में 13 अक्टूबर सोमवार को रविंद्र भवन में किशोर कुमार नाइट का आयोजन होगा। यह विशेष आयोजन माध्या एडवर्टाइजिंग प्रा. लि. और द दंगल स्टोरी के बैनर तले मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

इस संध्या में प्रसिद्ध गायक अनिल श्रीवास्तव अपनी आवाज में किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की झंकार बिखेरेंगे, जबकि 'K फॉर किशोर' और वेस्ट बंगाल बैंड अपने लाइव म्यूजिक से सुरों का जादू बिखेरेंगे।

यह संगीतमय आयोजन 13 अक्टूबर 2025, सोमवार शाम 7~30 बजे से हंसराज ऑडिटोरियम, रविंद्र भवन, भोपाल में आयोजित होगा।

'द दंगल स्टोरी' मीडिया और सिद्धार्थ एंटरप्राइजेज आयोजन सहयोगी के रूप में इस शाम को और खास बनाएंगे। मध्या ग्रुप के डायरेक्टर सुशील अग्रवाल ने कहा- किशोर कुमार सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक युग हैं, जिन्हें हर पीढ़ी अपने तरीके से महसूस करती है। हमारा उद्देश्य उसी युग को दोबारा जीवंत करना है।

मेट्रो एंकर

अयोध्या बायपास पर हजारों पेड़ काटे गए

विकास के नाम पर शहर की हरियाली पर चल रही कुल्हाड़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हरियाली और झीलों के शहर के रूप में पहचान रखने वाला भोपाल अब धीरे-धीरे अपनी प्राकृतिक सुंदरता खोता जा रहा है। अयोध्या बायपास रोड पर बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई ने शहरवासियों को हैरान और चिंतित कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण और विकास कार्यों के नाम पर हजारों हरे-भरे पेड़ काट दिए गए हैं। अब इस इलाके में जहां पहले हरियाली दिखाई देती थी, वहां अब सूनी सड़कें और खाली मैदान नजर आ रहे हैं।

नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन पूरी तरह से लापरवाह बना हुआ है। पेड़ों की कटाई पर किसी तरह का नियंत्रण नहीं है और न ही नए पौधे लगाने की कोई ठोस पहल दिखाई दे रही है। वहीं, पर्यावरण प्रेमियों ने चेतावनी दी है कि अगर इसी तरह हरियाली खत्म होती रही, तो भोपाल की हवा और तापमान दोनों पर गंभीर असर पड़ेगा।

स्थानीय पर्यावरण कार्यकर्ता ने कहा, ÷अयोध्या बायपास पहले हरे पेड़ों से घिरा हुआ था। अब एक भी पेड़ नहीं बचा है। प्रशासन की आंखों के सामने हरियाली खत्म की जा रही है, लेकिन कोई रोकथाम नहीं हो रही। लोगों ने मांग की है कि कटे हुए पेड़ों के बदले तुरंत बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाए और भविष्य में ऐसे कदमों पर सख्त रोक लगाई जाए ताकि भोपाल की पहचान – उसकी हरियाली – को बचाया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में सम्राट विक्रमादित्य विश्विद्यालय की नाम पट्टिका का अनावरण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

मप्र में दैनिक वेतन भोगियों को झटका

प्रतिबंध के बाद भी रखे गए कर्मचारियों की होगी छंटनी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश में वर्ष 2000 में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी रखने पर प्रतिबंध लगाया गया था। यह व्यवस्था सभी विभागों के साथ-साथ निगम, मंडल, सार्वजनिक उपक्रम आदि में भी लागू की गई थी लेकिन नगरीय निकायों में नियुक्तियां होती रहीं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए नगर निगम आयुक्तों और नगर पालिका व परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से पूछा है कि नियुक्ति किस आधार पर की गई, वेतन कहां से दिया जा रहा है, शासन से अनुमति ली गई या नहीं और तत्समय कौन अधिकारी पदस्थ थे। यह रिपोर्ट 25 अक्टूबर तक मांगी गई है। इसके आधार पर आगामी निर्णय लिया जाएगा।

कैलाश विजयवर्गीय ने की थी समीक्षा– पिछले सप्ताह मंत्रालय में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने विभागीय समीक्षा की थी। इसमें निकायों की आर्थिक स्थिति पर चर्चा में समय पर कई जगहों पर समय

पर वेतन नहीं बंटने की बात आई तो बताया गया कि दैनिक वेतनभोगियों का वेतन रुका हुआ है। इस पर पूछा गया कि उन्हें किस नियम से रखा गया। वित्त विभाग ने 28 मार्च 2000 को दैनिक वेतन पर किसी की भी नियुक्ति नहीं करने के निर्देश दिए थे।

क्या है पूरा मामला?– यह प्रविधान निगम, मंडल, नगरीय निकायों, विकास प्राधिकरण, सहकारी संस्थाओं के साथ सार्वजनिक उपक्रमों पर भी लागू किया गया था। इसके बाद भी नगरीय निकायों में दैनिक वेतन पर कर्मचारी रखे गए। इसके लिए किसी से अनुमति भी नहीं ली गई। जबकि, 2006 में नियमित किया गया। उमा देवी के प्रकरण में 2014 में जहां पद नहीं हैं लेकिन 10 साल हो गए थे, उन्हें वेतनमान देकर विनियमित कर्मचारी बनाया गया। इन्हें स्थायी कर्मी बनाया गया। इसके बाद भी निकायों ने दैनिक वेतन पर कर्मचारी रखे, जो शासन के आदेश का उल्लंघन है। ऐसे सभी कर्मचारियों की जानकारी निकायों से मांगी गई है। उनसे पूछा गया है कि दैनिक वेतनभोगी को पारिश्रमिक कितना और कब से दिया जा रहा है। जब नियुक्ति की गई तब अधिकारी कौन पदस्थ था। रिपोर्ट के आधार पर विभाग निर्णय लेगा कि इनका क्या करना है।

दैनिक वेतनभोगियों की रोजी-रोटी से खिलवाड़ न करें : सिंघार

उधर, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का पक्ष लेते हुए कहा कि जिन्होंने शहरों को संवारा, आज वही असुरक्षा में हैं। सरकार को इनकी रोजी-रोटी से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए।

हजारों कर्मचारी हैं संविदा अधिकारी

कर्मचारी महासंघ के प्रांताध्यक्ष रमेश राठौर का कहना है कि प्रदेश में केवल नगरीय निकाय नहीं लोक निर्माण, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विश्वविद्यालय सहित कई जगहों पर दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी पदस्थ हैं। विभिन्न शर्तों के कारण ये स्थायी कर्मी नहीं हो पाए। इनका भविष्य हमेशा खतरे में रहता है। सरकार को नीति बनाकर रिक्त पदों पर इन्हें समायोजित करना चाहिए।

मध्य प्रदेश में सक्रिय है गोंद माफिया

पेड़ में इंजेक्शन लगाकर तेजी से बढ़ा रहे उत्पादन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य प्रदेश में गोंद माफिया सक्रिय है। धावड़ा और सलाई के पेड़ों से गोंद निकाला जाता है, लेकिन अधिक लाभ के चक्कर में माफिया आदिवासियों को अप्राकृतिक तरीके से इथेफोन रसायन का इंजेक्शन लगाकर गोंद निकाले के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

रसायनिक इंजेक्शन लगाने से इन पेड़ों को जहां पर्यावरणीय नुकसान हो रहा है, वहीं पेड़ निर्धारित क्षमता से अधिक गोंद उगलते हैं जो सेहत के लिए खासतौर पर प्रसव वाली महिलाओं के लिए नुकसानदायक होता है। इंजेक्शन लगाए जाने से पांच-छह साल में वृक्ष नष्ट होने लगते हैं। बता दें कि गोंद निकालने की प्रक्रिया हर साल नवंबर से जून तक की जाती है।

बुरहानपुर, खंडवा, देवास को मिली थी अनुमति

मध्य प्रदेश के तीन जिलों बुरहानपुर, खंडवा, देवास के जंगलों में पिछले वर्ष पेड़ों से गोंद निकालने की अनुमति दी गई थी। राज्य सरकार ने इन तीन जिलों में पेड़ों से गोंद निकालने पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया था। यह प्रतिबंध इस आधार पर हटाया गया था कि गोंद प्राकृतिक तरीके से वृक्ष को नुकसान पहुंचाए बगैर निकाली जा सकेगी। अन्य जिलों में यह प्रतिबंध यथावत रखा गया है। दरअसल, धार जिले की मनावर सीट से कांग्रेस विधायक हीरालाल अलावा ने राज्य शासन को पत्र लिखकर यह मामला उठाया था। जिसके बाद वन विभाग ने इन तीनों वनमंडलों में गोंद निकालने पर लगा प्रतिबंध हटा दिया था।

पोलियो मुक्त भारत बनाए रखने 12 से 3 दिवसीय राष्ट्रीय अभियान

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि पोलियो मुक्त भारत हमारी सामूहिक जागरूकता और जनसहभागिता का परिणाम है। इसे बनाए रखने के लिये निरंतर सजग रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत के कुछ सीमावर्ती राष्ट्रों में अभी भी पोलियो के प्रकरण पाए जा रहे हैं, ऐसे में हमारी सतर्कता ही बच्चों की सुरक्षा है। इसी उद्देश्य से 12 से 14 अक्टूबर 2025 तक प्रदेश के 18 जिलों अनूपपुर, बैतूल, भिंड, भोपाल, छिंदवाड़ा, दतिया, देवास, ग्वालियर, नर्मदापुरम, जबलपुर, कटनी, खंडवा, खरगौन, मंडला, मंदसौर, मुरैना, नरसिंहपुर एवं नीमच – में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान 18 जिलों में 39.19 लाख बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिये 64 हजार वैक्सीनेटर्स कार्यरत रहेंगे। प्रथम दिवस यानि पोलियो रविवार को 24 हजार पोलियो बूथ बनाये गये हैं।

यूपी के राज्यपाल ने किया प्रदर्शनी का उद्घाटन

लखनऊ में क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी में मप्र की बाग प्रिंट कला का प्रदर्शन

भोपाल/ इंदौर, दोहपर मेट्रो

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ की ऐतिहासिक सफेद बारादरी में ÷क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी÷ का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक और क्राफ्टरूट की संस्थापक अनारबेन पटेल भी उपस्थित रहीं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदर्शनी के भ्रमण के दौरान मध्यप्रदेश के धार जिले के बाग गाँव से आए प्रसिद्ध बाग प्रिंट शिल्पकार मोहम्मद आरिफ खत्री एवं मोहम्मद अली खत्री से पारंपरिक कला के बारे में विस्तार से जानकारी भी ली। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बाग प्रिंट की जटिल प्रक्रिया को बड़े ध्यान से समझा। श्री खत्री ने उन्हें बताया कि बाग

प्रिंट एक प्राचीन हस्तकला है, जो पूरी तरह हाथ से की जाती है। इसमें कपास और रेशम के कपड़ों पर लकड़ी के ब्लॉकों से छपाई की जाती है, और प्राकृतिक रंगों, पौधों, फूलों और जड़ों से बने रंगों का उपयोग होता है। बाग क्षेत्र की विशिष्ट नदी का पानी इन रंगों को और गहराई तथा चमक प्रदान करता है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि इस तरह की पारंपरिक कलाएं भारत की असली पहचान हैं, जिन्हें संरक्षित और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

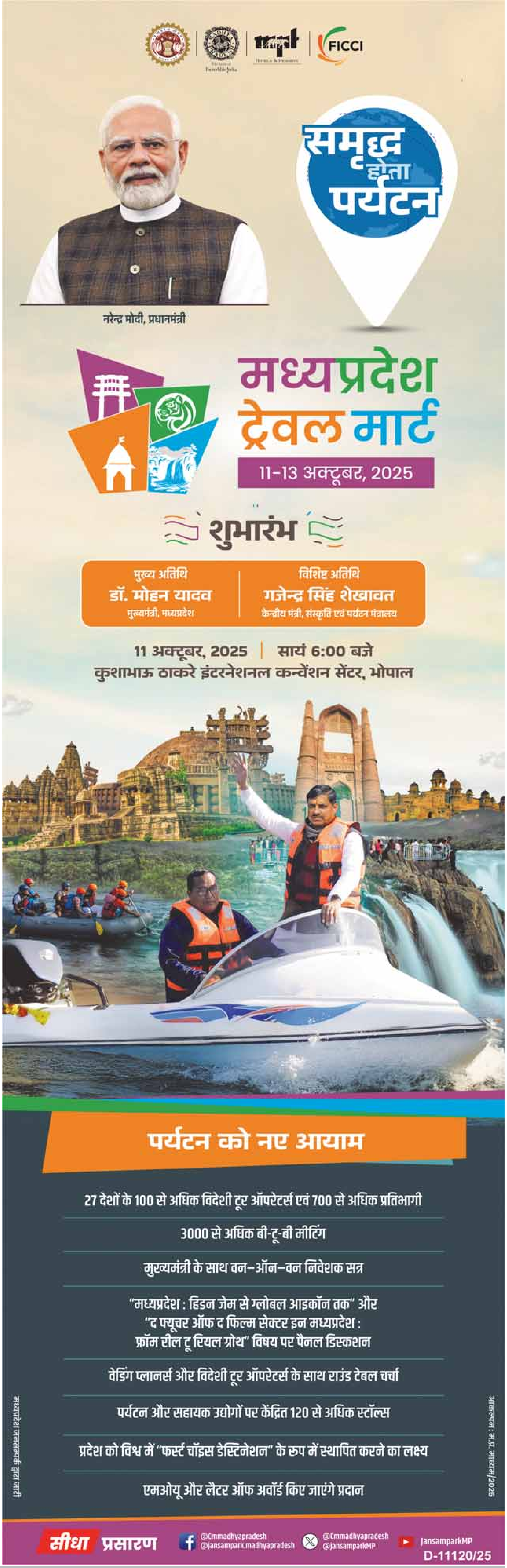

हमारे शिक्षा संस्थान कहां हैं?

उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की चाह रखने वाले भारतीयों के लिए यह एक सुखद खबर है कि ब्रिटेन के नौ विश्वविद्यालय भारत में अपना कैम्पस खोलने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के बीच हुई मुलाकात के दौरान इस पर सहमति बनी। इस पहल के साथ भारत में ब्रिटेन उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी मौजूदगी वाला देश बन जाएगा। भारत से हर साल बड़ी संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए विदेश जाते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में 7.6 लाख से अधिक छात्र विदेश गए, जबकि वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 8.94 लाख से अधिक था। हालांकि कुछ रिपोर्टों में 2024 में विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या 13.35 लाख से अधिक बताई गई है। इनमें से लगभग सवा लाख छात्र पिछले एक साल में उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन गए। जाहिर है कि भारत में ही वहां के विश्वविद्यालयों के कैम्पस खुलने से छात्रों का वीजा, हास्टल का खर्च बच जाएगा, स्थानीय विश्वविद्यालयों से थोड़ी ही ज्यादा फीस में ब्रिटिश गुणवत्ता की शिक्षा मिलेगी और वहां की डिग्री भी घर बैठे ही मिल जाएगी। लेकिन यहां एक सवाल मन में यह भी उठता है कि अपने देश के विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता को हम इस स्तर का कब बना पाएंगे कि विदेशी छात्र भी उनमें प्रवेश पाने के लिए लालायित हों? हालांकि आईआईटी मद्रास का जांजीबार और तंजानिया में तथा आईआईटी दिल्ली का अबुधाबी में कैम्पस है लेकिन दुनिया के बड़े देशों की तुलना में हमारे उच्च शिक्षा संस्थान कहां ठहरते हैं? आंकड़े बताते हैं कि शिक्षा सत्र 2024-25 में 200 देशों से 72218 छात्र भारत आए, जबकि इसके पहले के वर्ष में यह संख्या 64000 के आसपास ही थी। इनमें भी करीब 15000 छात्र तो नेपाल के ही होते हैं क्योंकि उनके लिए भारत में उच्च शिक्षा हासिल करना सबसे आसान होता है। तो क्या हम अपने उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता को अभी उस स्तर का नहीं बना पाए हैं कि जैसे हमारे देश से कई लाख विद्यार्थी बाहर जाते हैं, वैसे ही अन्य देशों से भी लाखों विद्यार्थी हमारे देश में आएं? प्राचीन काल में एक दौर ऐसा भी था जब हमारे नालंदा और तक्षशिला जैसे शिक्षा संस्थान पूरी दुनिया में सर्वोपरि माने जाते थे और उस जमाने में दुनिया के कोने-कोने से हजारों छात्र यहां शिक्षा ग्रहण करने आते थे। अपनी उसी प्रतिष्ठा की बदौलत भारत दुनिया में विश्वगुरु कहलाता था। आज हालत यह है कि हाल ही में जारी वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में टॉप 200 यूनिवर्सिटी में आ की एक भी नहीं है। इसलिए विदेशी विश्वविद्यालयों के कैम्पसों का भारत में आना तो अच्छी बात है लेकिन अपने शिक्षा संस्थानों को भी हमें उस स्तर का बनाना होगा जहां वे अग्रणी विदेशी विश्व-विद्यालयों की बराबरी कर सकें।

विश्व बालिका दिवस

बदलाव का ढोल पीटने की बजाए सब मिलकर बेटियों को उड़ान दें

दिलीप कुमार पाठक
पत्रकार

जब तक हमारे समाज में बेटियों के प्रति ज्यादतियां होती रहेंगी, तब तक हम कितना भी समृद्ध, उदारवादी विकसित समाज होने का ढोल पीट लें हमारी वास्तविकता कुछ और ही है द्य 2011 की जनगणनाः भारत में प्रति 1,000 पुरुषों पर 943 महिलाएं थीं, लिंगभेद की स्थिति इसी से समझी जा सकती है। भारत में पुरुषों की साक्षरता दर 82.14% और महिलाओं की साक्षरता दर 65.46% है, जो शिक्षा में लिंग अंतर को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में पुरुषों का अनुपात ज़्यादा है, और महिला शिक्षकों का प्रतिशत पुरुषों की तुलना में कम है। पुरुष शिक्षकों और उच्च शिक्षा में कुल नामांकित छात्रों की संख्या में महिलाओं की तुलना में अधिक है। कई सामाजिक कारक, जैसे कि कम उम्र में विवाह, बाल श्रम, और आर्थिक तंगी, लड़कियों की शिक्षा में बाधाएँ उत्पन्न करती हैं और उनके स्कूल छोड़ने की दर को बढ़ाती हैं। आज भी हमारे देश एवं दुनिया में बेटियों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के लिहाज से स्थिति कुछ अच्छी नहीं है। भारत सहित पूरी दुनिया में लिंग भेद आज भी है, अन्यथा अमेरिका जो दुनिया को संस्कृति सिखाने का ठेकेदार बनता है, आज तक उनके देश में एक भी महिला राष्ट्रपति नहीं बन पाई। जब हम भारतीय परिपेक्ष्य में देखते हैं तो स्थिति और भी विकट है। जब हमारे देश में हाथरस, मंदसौर, कोलकाता, उन्नाव, कठुआ, बुलन्दशहर, हैदराबाद आदि से रेप की दर्दनाक खबरें आती हैं और जहां से भी छोटी - छोटी बालिकाओं पर ज्यादतियों की खबरें आती हैं, तो पूरे समाज पर प्रश्न चिन्ह लग जाते हैं कि हमारे समाज में शिक्षा एवं संस्कारों मे ये कैसी गिरावट है जहां छोटी - छोटी बालिकाएं कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहीं हैं। लिंग भेद ऐसा कि अपनों के बीच भी बच्चियों को गैरों जैसा दोयम दर्जे का व्यवहार झेलना पड़ता है।

दरअसल हमारे समाज में आज भी लड़कियों को लड़कों के बराबर न मानने वाले लोगों की संख्या ज़्यादा है, हालांकि समाज के लिए सोचने वाले कुछ अग्रणी लोग एनजीओ के माध्यम से ही सही बालिकाओं के लिए कुछ न कुछ योगदान दे रहे हैं, परंतु ये काफ़ी नहीं है। यही कारण है कि हर साल 11 अक्टूबर को इंटरनेशनल डे ऑफ गर्ल चाइल्ड यानी कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इसे मनाने की शुरुआत यूनाइटेड नेशन ने 2012 में की थी। इस दिन को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य था लड़कियों के विकास के लिए अवसरों को बढ़ाना और लड़कियों की दुनियाभर में कम होती संख्या के प्रति लोगों को जागरूक करना, जिससे कि लिंग असमानता को खत्म किया जा सके। लिंग असमानता भारत सहित पूरी दुनिया की सच्चाई है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य यह भी है कि समाज में जागरूकता लाकर लड़कियों को वे समान अधिकार दिलाए जा सकें, जो कि लड़कों को दिए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को बढ़ावा देने के लिए इस दिन अलग-अलग देशों में कई तरह के आयोजन भी किए जाते हैं जिसके अंतर्गत लड़कियों की शिक्षा, पोषण, उनके कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल के प्रति उन्हें और समाजजनों को जागरूक किया जाता है। लड़कियों को सुरक्षा मुहैया कराना, उनके प्रति भेदभाव व हिंसा खत्म करना। बाल विवाह पर प्रतिबंध लगाना भी इस दिन को मनाने के कारणों में शामिल है। 11 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर, 2011 को प्रस्ताव 66/170 के माध्यम से घोषित किया गया था। इसे पहली बार 11 अक्टूबर, 2012 को मनाया गया था। यह वार्षिक दिवस 1995 के बीजिंग घोषणापत्र और कार्य योजना से जुड़ा है, जिसने पहली बार दुनिया भर में बालिकाओं के विशिष्ट अधिकारों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला था। प्लान इंटरनेशनल ने इस पहल का नेतृत्व किया, जिसमें कनाडा सरकार सहित कई देशों का मजबूत समर्थन मिला। यह कार्यक्रम बालिकाओं के सशक्तीकरण, मानवाधिकारों और उन्हें प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनकी भागीदारी के हित में, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, भेदभाव और हिंसा जैसी बाधाओं पर दुनिया का ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करता है। इस दिन दुनिया भर में बालिकाओं के लिए एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत भविष्य सुनिश्चित करने के प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है।

आज 11 अक्टूबर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम हैः द गर्ल आई एम, द चेंज आई लीडः गर्ल्स ऑन द फ्रंटलाइन्स ऑफ क्राइसिस इस थीम का मुख्य फोकस उन परिस्थितियों पर है जिनका सामना बालिकाओं को करना पड़ता है, और उनकी दृढ़ता, नेतृत्व तथा मजबूत आवाज़ों पर, जो मानवीय, सामाजिक और पर्यावरणीय संकटों के खिलाफ खड़ी होती हैं। चूँकि संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएँ बालिकाओं के खिलाफ असमान रूप से भारी पड़ती हैं, इसलिए यह विषय परिवारों, समुदायों और समाजों में परिवर्तनकारी भूमिकाएँ निभाने में उनके साहस को दर्शाता है। यह बालिकाओं को परिस्थितियों के शिकार के रूप में नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। लड़कियों के अनुभवों और नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए, यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सशक्तिकरण में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे सक्रिय रूप से एक बेहतर और अधिक समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें। यह नारा दुनिया को याद दिलाता है कि हर बालिका में क्षमताएँ भरपूर होती हैं और यह समाज का दायित्व है कि वह उनमें से प्रत्येक को संकट की स्थिति में अग्रणी भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करें।

आजम के दरबार में अखिलेश, राजनीति के नए क्षितिज में सियासी मजबूरी

प्रभुनाथ शुक्ल
स्वतंत्र टिप्पणीकार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में नए क्षितिज उभर रहे हैं। राज्य विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सत्ता और विपक्ष अपनी-अपनी कमर कसता दिख रहा है। हालांकि अभी चुनाव में काफी समय है लेकिन राजनैतिक दलों ने माहौल बनाना शुरू कर दिया है। भाजपा जहां सत्ता खोना नहीं चाहती वहीं उत्तर प्रदेश का मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी, पीडीए को साधने में जुटा है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का बेहतर प्रदर्शन रहा था। इस प्रदर्शन ने भाजपा की पेशानी पर बल ला दिया। समाजवादी पार्टी अगर यही प्रदर्शन दोहराती है तो विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है।

अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए जुटे हैं और सत्ता पक्ष के कामों का अक्सर विरोध करते दिखते हैं। आजम खान की जेल से रिहाई के बाद अखिलेश यादव खुद रामपुर जाकर उनसे मिले। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि आजम खान समाजवादी पार्टी से नाराज हैं और वह बसपा में जा सकते हैं। इन सब अटकलों को देखकर अखिलेश यादव को आखिर आजम खान के दरबार में माथा टेकना पड़ा। आजम खान के सियासी शरण में जाना अखिलेश यादव की मजबूरी है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग ही उनका जनाधार है। पिछड़ा वर्ग में भी सभी जातियों को हम शामिल नहीं कर सकते हैं। लेकिन यादव और मुसलमान अखिलेश के साथ खड़े रहते हैं। आजम खान समाजवादी पार्टी के बड़े चेहरे हैं। समाजवादी पार्टी से अगर आजम खान किनारा करते तो अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ बेहद कमजोर हो जाती। ऐसी स्थिति में मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए आजम शरणम गच्छामि होना पड़ा।

आजम का प्रभाव पश्चिमी यूपी में मजबूत है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, यूपी में मुसलमानों की कुल आबादी तकरीबन 20 फिसदी है। 2025 तक अनुमान है कि यह आबादी तकरीबन साढ़े चार करोड़ पहुंच जाएगी। सबसे अहम सवाल है कि क्या मुसलमान आजम खान को अपना नेता मानता है। यह कहना पूरी तरह से गलत होगा कि यूपी का मुसलमान आजम के साथ पूरी तरह खड़ा है। मुसलमानों में कई नेता हैं और सबके अपने-अपने समर्थक। सिर्फ आजम खान के इशारे पर मुसलमान नहीं खड़ा होगा। हालांकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुसलमानों की अहमियत को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता है। यही वजह है कि प्रदेश के सभी राजनीतिक दल मुसलमान वोटबैंक साधने के लिए उनके साथ खड़े रहते हैं। हालांकि यह भी सच है मुसलमान भारतीय जनता पार्टी को भी बड़े पैमाने मतदान करता है। भाजपा साल 2017 के चुनाव में पश्चिम के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी हुआ अपना परचम लहरा चुकी है। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में तकरीबन 55 से 60 सीटों के आसपास मुस्लिम मतदाताओं का दबदबा है। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने यहां की 82 सीटों में 62 सीटों पर विजय हासिल की थी। यह चौंकाने वाला आंकड़ा था और राजनीतिक विश्लेषकों को चक्कर में डाल दिया था मुस्लिम सभी सियासी मिथक को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े मिले। उत्तर प्रदेश की लोकसभा में 80 सीटों में तकरीबन 20 से 22 सीटों पर मुसलमानों का प्रभाव है। इसमें सहारनपुर बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा, संभल और मुजफ्फरनगर एवं रामपुर जैसे संसदीय इलाके शामिल। यही कारण है कि अखिलेश यादव को आजम खान से मिलने रामपुर हवेली जाना पड़ा। समाजवादी पार्टी से अगर मुस्लिम नाराज होता है तो उसके लिए बड़ी चुनौती होगी। सवाल यह भी है कि वह नाराज होकर भी कहाँ जाएगा। लेकिन पूरी तरह से मुस्लिम मतदाता सिर्फ समाजवादी पार्टी के साथ हैं- ऐसा कहना मुश्किल है। वह मायावती की बहुजन समाज पार्टी और भाजपा के साथ भी खड़ा मिलता है। चुनाव में यह भी ट्रेंड देखा गया है कि मुसलमान परिस्थितियों को देखते हुए अपनी वोटिंग करता है। उत्तर प्रदेश में एक और सियासी घटना ने सपा के लिए नई चुनौती को जन्म दिया है। लखनऊ में काशीराम परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की तरफ से आयोजित रैली से समाजवादी पार्टी की नींद उड़ गई है। उधर, दलितों का मसीहा बनने की कोशिश कर रहे चंद्रशेखर भी उलझन में है। क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी कमजोर स्थिति में नहीं। तकरीबन 10 साल बाद मायावती की राजनीति सक्रियता ने उनके सपने पर पानी डाल दिया है। लखनऊ में उमड़ी दलितों की भीड़ ने साबित कर दिया है कि दलित पूरी तरह मायावती में आस्था रखता है।

इस रैली में मायावती ने जहां भाजपा की जमकर प्रशंसा की वहीं अखिलेश यादव पर निशान साधा। अखिलेश सरकार में किए गए कार्यों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दलितों के साथ समाजवादी पार्टी की सरकार ने दोगली राजनीति की। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मायावती की सक्रियता ने अखिलेश यादव के पीडीएफ फार्मूले को झटका दिया है। मायावती की कुछ वर्षों की निष्क्रियता से भाजपा केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के बदौलत दलित को अपनी तरफ मोड़ने में कुछ कामयाब दिखीं। हालांकि जमीनी सच्चाई यही है कि इस भीड़ से बसपा और दलित मतदाता भले खुश हों लेकिन सिर्फ दलित वोट से वह राजनीति में वापसी नहीं कर सकती। क्योंकि मौजूदा वक्त गठबंधन का दौर है और भारतीय जनता पार्टी इसमें सबसे सशक्त दिखाई पड़ती है।

सुविचार

सन्तुष्टता व खुशी साथ-साथ रहते हैं। इन गुणों से दूसरे आपकी ओर स्वतः आकर्षित होंगे।
-अज्ञात

निशाना

जूते चल रहे हैं..!

-घनश्याम मैथिल 'अमृत'

हमेशा घर की चौखट से बाहर
एड़ी घिसने वाले भी उछल रहे हैं
बिना पांव भी आज जूते चल रहे हैं,
जूते भी जगह और आदमी देख
हाथों में आजकल खूब मचलते हैं,
किसी को चमड़े के किसी को चांदी के
जूते यहां दोस्त खूब फलते हैं,
जरूरत के मुताबिक यह जूते भी
अपना अजब गजब करतब दिखाते हैं,
कभी यह कुर्सी पे फेंके कभी
सिर पे मारे
और कभी हवा में यूं ही उछाले जाते हैं,
जूते कभी दिखाए कभी छिपाए
कभी सुंघाए और कभी पहनाए जाते हैं
जरूरत पड़ने पर सिर पे बिठाए जाते हैं
जूते केवल चरणदास नहीं
मालिक भी हैं
इनकी महिमा नित गाई जाती है
जरूरत पड़ने पर जूतों की माला
योग्य व्यक्तियों को पहनाई जाती है
जूते कभी महफिल में कभी अकेले में
कभी पगडंडी कभी राजपथों
पर चलते हैं
यानि जूते बहुउपयोगी
बहुकामी बहुआयामी
इनमें हमारे कई कई ख्वाब पलते हैं
इनके चलने से कई संकट
आते तो कई टलते हैं।

हेल्थ अपडेट

रिसर्च में खुलासा - ऑलिव ऑयल से हो सकता है ब्रेस्ट कैंसर का खतरा कम

ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में होने वाला सबसे आम प्रकार का कैंसर है। 50 से अधिक वर्ष वाली महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर होने की संभावना सबसे अधिक रहती है, लेकिन यह कम उम्र की औरतों को भी हो सकता है। एक नई स्टडी में ब्रेस्ट कैंसर से बचाव का नया और तरीका सामने आया है।? साल 2022 में करीब 2.3 मिलियन महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित थीं जिनमें 67,000 की मृत्यु हो गई थी। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार यदि ये आकंड़ा बना रहता है तो साल 2050 तक कई क्षेत्रों में मृत्यु दर में 40त्न तक का इजाफा हो सकता है। कई जगहों पर सुविधा की कमी के कारण भी महिलाओं को सही समय पर इलाज नहीं मिल पाता है।

दअरसल एक स्टडी में इस बात का पता चला है कि ऑलिव ऑयल से ब्रेस्ट कैंसर के रिस्क को कम किया जा सकता है। ब्रेस्ट कैंसर तब होता है जब ब्रेस्ट सेल्स से उत्परिवर्तित होकर कैंसरयुक्त सेल्स बन जाती हैं और फिर बढ़कर ट्यूमर का रूप ले लेती है। यहआमतौर पर 50 वर्ष और उसे अधिक उम्र की महिलाओं को प्रभावित करता है, लेकिन पुरुषों के साथ यह कम उम्र की महिलाओं को भी हो सकता है। लेकिन इस नई स्टडी में खुलासा हुआ है कि जैतून का तेल इससे बचाव में मदद कर सकता है।

क्या है ब्रेस्ट कैंसर?: ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं को प्रभावित करने वाला सबसे आम कैंसर है। यह तब होता है जब ब्रेस्ट में कैंसर ग्रस्त सेल्स बढ़कर ट्यूमर बन जाता है। ब्रेस्ट कैंसर के लगभग 80त्न मामले खतरनाक होते हैं। यानी ट्यूमर स्तन से शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल सकता है। ब्रेस्ट कैंसर का अलग-अलग प्रकार के होते हैं जिसमें डक्टल कार्सिनोमा, लोब्यूलर ब्रेस्ट कैंसर और डक्टल कार्सिनोमा इन सीटू शामिल है। इनमे स्तन के आकार या रूप में बदलाव ,स्किन और निप्पल में बदलाव, स्तन में या आसपास दर्द और निप्पल से तरल पदार्थ का स्राव होना आदि लक्षण होते हैं।

इस गंभीर बीमारी के कारण : ब्रेस्ट कैंसर का कोई निश्चित कारण नहीं होता है। हालांकि इसके कारण में अनुवांशिक परिवर्तन, मोटापा, अधिक शराब का सेवन, बढ़ती उम्र, हार्मोन थेरेपी गर्भावस्था देर से होना, स्तनपान ना कराना आदि शामिल होते हैं। इसके अलावा कुछ कीटनाशक और अन्य केमिकल्स के संपर्क में आने से भी ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा रहता है।

डिजिटल जर्नी

भारत में 47 फीसदी लोग अब भी इंटरनेट से दूर, महिलाओं की डिजिटल भागीदारी कम

भारत की डिजिटल इकोनॉमी ने पिछले एक दशक में जबरदस्त उछाल दर्ज किया है, लेकिन अब भी ऐसी कई चुनौतियां हैं, जो देश की डिजिटल इकोनॉमी में कमजोर कड़ी बनी हुई हैं। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन (जीएसएमए) ने चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए हैं। यह रिपोर्ट साफ कहती है कि यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई, तो भारत को एक 'ब्रेन ड्रेन डिविडेंड' का सामना करना पड़ सकता है। इसका मतलब यह है कि देश के बेहतरीन दिमाग का फायदा घरेलू विकास के बजाय वैश्विक प्रतिद्वंद्वी उठाएंगे। डिजिटल असमानता भी भारत की समावेशी वृद्धि के राह में रोड़ा है।

रिपोर्ट बताती है कि भारत की 47 प्रतिशत आबादी अब भी इंटरनेट की पहुंच से दूर है। चिंता का विषय डिजिटल जेंडर गैप को बताया गया है। भारत में पुरुषों के मुकाबले 33 प्रतिशत कम महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं। यदि इस गहरी खाई को नहीं पाटा गया, तो समावेशी विकास का लक्ष्य प्रभावित हो सकता है। जीएसएमए को इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में ग्लोबल इंडस्ट्री पार्टनर के तौर पर शामिल किया गया है। एसोसिएशन का लक्ष्य मोबाइल कनेक्टिविटी और इनोवेशन के जरिए भारत की डिजिटल यात्रा को और तेज करने के तरीकों पर चर्चा और सहयोग को बढ़ावा देना है।

रिपोर्ट के अनुसार, देश डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) और मोबाइल कनेक्टिविटी के

विस्तार में आगे है, लेकिन यह रिसर्च एंड डेवलपमेंट निवेश, निजी क्षेत्र में इनोवेशन और कुशल पेशेवरों को देश में रोकने में पीछे रहा है। 2013 में यह जहां महज डॉलर 108 अरब थी, वहीं 2023 में यह तीन गुना बढ़कर लगभग 370 अरब तक पहुंच गई है। देश का लक्ष्य है 2030 तक इस आंकड़े को डॉलर 1 ट्रिलियन (एक लाख करोड़ डॉलर) के पार ले जाना है। हालांकि रिपोर्ट में गहरी चिंता जताई गई है कि अगर देश ने इनोवेशन और डिजिटल समावेशन के मोर्चे पर मौजूद कमियों को जल्द दूर नहीं किया, तो 2047 तक 'डिजिटल संप्रभुता' हासिल करने का भारत का सपना अधूरा रह सकता है।

न्यू टेक्नोलॉजी

अब AI भी लेने लगे इंटरव्यू, नई तकनीक के सामने कॉन्फिडेंट और आइडियल दिखना जरूरी

आजकल नौकरी की तलाश में डिजिटल तकनीक का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। कंपनियां अब रिज्यूमे और कवर लेटर के पुराने तरीकों से आगे बढ़कर नई तकनीकों का सहारा ले रही हैं। कुछ कंपनियों में तो इंटरव्यू भी AI ले रहे हैं। ऐसे में लोगों का कॉन्फिडेंस डाउन हो जाता है, क्योंकि AI इंसानों को फेस करना तो लोगों की आदत है, लेकिन AI से वन टू वन होने में कुछ लोगों को दिक्कत हो सकती है। लेकिन आप चाहें तो AI का इंटरव्यू भी क्रैक कर सकते हैं।

प्री-रिकॉर्डेड हो सकते हैं सवाल: AI इंटरव्यू में सवाल कई तरह से पूछे जा सकते हैं। कुछ सवाल प्री-रिकॉर्डेड वीडियो के रूप में आते हैं, जिन्हें देखकर आपको जवाब देना होता है। जवाब देने के लिए आमतौर पर 3 मिनट का समय मिलता है। कुछ सवाल टेक्स्ट के रूप में स्क्रीन पर दिखते हैं, जिन्हें पढ़ने के लिए 30 सेकंड मिलते हैं। अगर आप राइटिंग या डिजाइनिंग से जुड़ी नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं, तो आपको डेमो के तौर पर कुछ काम करने के लिए कहा जा सकता है, जिसमें रिसर्च की जरूरत हो सकती है।

STAR तकनीक का इस्तेमाल करेंः AI इंटरव्यू में सफलता के लिए STAR तकनीक बहुत उपयोगी है। STAR का मतलब है सिचुएशन, टास्क, एप्रोच और रिजल्ट। इस तकनीक से आप अपने जवाबों को लिमिटेड लेकिन टू-द-पॉइंट रख सकते हैं। अपने जवाबों को बार-बार अभ्यास करें ताकि आप आत्मविश्वास के साथ जवाब दे सकें। इंटरव्यू के लिए शांत जगह और समय चुनें। भले ही आप घर से इंटरव्यू दे रहे हों, इसे उतना ही गंभीरता से लें जितना फेस टू फेस इंटरव्यू होता है। प्रोफेशनल कपड़े पहनें, क्योंकि यह आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है। ध्यान दें कि कैमरे पर रंग अलग दिख सकते हैं, इसलिए पहले से टेस्ट करें कि कौन से रंग आपके लिए सबसे अच्छे हैं।

ब्राउजर को अपडेट रखें: जहां से आप इंटरव्यू दे रहे हैं, वहां लाइट अच्छी होनी चाहिए। ताकि आपका चेहरा स्पष्ट दिखे। खिड़की के सामने बैठने से बचें, क्योंकि इससे चेहरा धुंधला हो सकता है। आपका ब्राउजर और Adobe Flash Player अपडेटेड हों। अगर आपके लैपटॉप में वेबकैम नहीं है, तो फोन या टैबलेट का यूज करें। एआई का क्षेत्र आगे चलकर बहुत एडवांस होने वाला है।

डीआरएम ने रानी कमलापति-इटारसी रेल खंड का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने अधिकारियों के साथ रानी कमलापति से इटारसी रेल खंड का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इटारसी रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, खानपान स्टालों, साफ-सफाई, यात्री सुरक्षा और सुविधाओं की गहन समीक्षा की। त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अधिकारियों को सभी आवश्यक यात्री सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीआरएम ने इटारसी स्टेशन के एसी शेड और डीजल शेड का निरीक्षण किया तथा लोको पायलटों को सिमुलेटर कक्ष में दी जा रही ट्रेनिंग का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने रनिंग रूम में लोको पायलटों के आराम और खानपान सुविधाओं का मूल्यांकन किया, खाने की गुणवत्ता जांची और स्वयं स्वाद लेकर संतोषजनक पाया। निरीक्षण यात्रा के दौरान अहमदाबाद-सहरसा एक्सप्रेस के पेंट्रीकार में अनअप्रूव पानी की बोतलें मिलने पर तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रेन में सफाई कर्मचारियों के पहचान पत्रों की जांच की और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए। इस दौरान वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (टीआरएस) एम. डी. कोरी, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर जितेन्द्र श्रीवास्तव, और मंडल इंजीनियर (दक्षिण) मोहित साहू व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने की खाद वितरण व भावांतर योजना की समीक्षा

जिले में अमानक खाद विक्रय और मुनाफाखोरी पर होगी सख्त कार्रवाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक में खाद वितरण प्रणाली एवं भावांतर योजना की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर सोनिया मीना ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में सहकारी समितियों और मार्कफेड के डबल लॉक गोदामों के माध्यम से किसानों को समय पर और पारदर्शी रूप से खाद का वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि खाद वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने वितरण केंद्रों पर भीड़ प्रबंधन के लिए संबंधित अधिकारियों को बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने और किसानों को वितरण की तिथि एवं समय की पूर्व जानकारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियां सूचना तंत्र को मजबूत बनाएं ताकि किसानों को बिना परेशानी के समय पर खाद मिल सके। जिला विपणन अधिकारी को सभी गोदामों की सतत निगरानी और औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने बैठक में स्पष्ट कहा कि खाद वितरण प्रणाली में बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि खाद उठाव सीधे किसानों तक पहुंचे और किसी भी परिस्थिति में बिचौलियों के माध्यम से वितरण न किया जाए। साथ ही अमानक खाद और उर्वरकों के विक्रय पर सख्त रोक लगाने के निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित विभाग नियमित जांच एवं सैंपलिंग करें। भावांतर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि भावांतर योजना के अंतर्गत किसानों को योजना के लाभ और प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए। विकासखंड स्तर पर भी किसानों को योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी जानकारी दी जाए। उन्होंने पंजीकृत किसानों के सत्यापन कार्य को समय सीमा में पूरा करने तथा सहकारिता विभाग के साथ समन्वय बनाकर आरआरसी वसूली प्रकरणों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर राजीव रंजन पांडे, संयुक्त कलेक्टर विजय राय, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत, उपसंचालक कृषि जे. आर. हेडाऊ, जिला विपणन अधिकारी देवेंद्र यादव सहित सभी एसडीएम एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

नर्मदापुरम। नगरपालिका परिषद द्वारा नगर में विकास लगातार किए जा रहे हैं। विकास कार्यों को आगे बढ़ाते हुए शुक्रवार को वार्ड 7 में संतन जो झोपड़ों से लेकर डाक्टर पाठक के मकान तक बनने वाली सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ विधायक डॉ सीताशरण शर्मा और नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर मप्र तैराकी संघ के अध्यक्ष पं. पीयूष शर्मा, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे, वार्ड पार्षद और नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा, प्रांशू राणे, सुनील राठौर, अर्पित मालवीय सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्य प्रभारी रीना गुप्ता ने बताया कि सड़क की लंबाई करीब 300 मीटर और चौड़ाई 4.50 मीटर है। इसकी लगात करीब 25 लाख रुपए है। शुक्रवार को अतिथिगणों द्वारा मशीनों की पूजन कर कार्य प्रारंभ कराया गया। सड़क निर्माण एजेंसी मोहिनी कंस्ट्रेक्शन के मोहन गुप्ता को नपाध्यक्ष यादव द्वारा समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए।

विधिक साक्षरता शिविर में दी जानकारी

गंजबासौदा। तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिये विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन आफरीन यूसुफ जई अंसारी तृतीय व्यवहार न्यायधीश कनिष्ठ खंड एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। शिविर में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिये नालसा मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों और बौद्धिक विकलांग व्यक्तियो के लिये कानूनी सेवाएं योजना संविधान के मूलभूत अधिकार कर्तव्य, दैनिक जीवन में उपयोगी विधियां, पीड़ित प्रतिकर योजना, निःशुल्क विधिक सहायता, मध्यस्थता,लोक अदालत, नालसा के संदर्भ मे जानकारी दी गई, शिविर में एडवोकेट संजीव कुमार अरोरा, एडवोकेट धर्मेन्द्र सिंह रघुवंशी, एडवोकेट राजेश सक्सेना, सरपंच श्रीमति सविता रघुवंशी सचिव हरगोविंद अहिरवार,सुनील पिंगलें, सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पेशन विदिशा से अब्दुल कादिर, शारदा रघुवंशी, विजय सिंह, खिलान अहिरवार, रानी अहिरवार उपस्थित रहे।

किसान पर एफआइआर, सीइओ बोले- ये व्यक्तिगत मामला है

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

खाद लेने आए किसान पर समिति प्रबंधक द्वारा प्रकरण दर्ज करने मामले में अब प्रशासन अब सरेंडर होता दिखाई दे रहा है। मामले में नया मोड़ आया। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के सीईओ विनयप्रकाश सिंह खुद मामले की जानकारी प्रेस से साझा करने के लिए सिरोंज आए। सहकारी बैंक के सभागार में हुई पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि यह विवाद खाद से जुड़ा हुआ नहीं है। इकलोद समिति प्रबंधक कन्हैयालाल विश्वकर्मा और किसान मोहन सिंह रघुवंशी का व्यक्तिगत मामला है। मीडिया ने उनसे पूछा जब मामला व्यक्तिगत है तो आपने समिति प्रबंधक पर कार्रवाई क्यों नहीं की। सीईओ ने सवाल टाल दिया। खाद वितरण व्यवस्था को लेकर पत्रकारों के ऐसे ही अनेक सवालों को वे टालते रहे। जब प्रेस कान्फ्रेंस समाप्त हो गई तो बैंक के बाहर समिति प्रबंधक

कन्हैयालाल विश्वकर्मा मिल गए। मीडिया ने उनसे सवाल-जवाब किया तो उन्होंने बताया कि मोहन रघुवंशी खाद लेने आया था। मैने टोकन की वैधता समाप्त होने की बात कही तो वह गाली-गलौच कर जूता मारने का कहने लगा। मैंने थाने में उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज करवा दिया लेकिन अब अपनी एफआईआर वापस ले रहा हूं। मीडिया के सवाल पर उन्होंने कलेक्टर के दबाव में एफआईआर वापस लेने की बात भी कही।

सोसायटी प्रबंधक को जारी किया निलंबन आदेश

शाम को मामले में नया मोड़ आया। बैंक प्रबंधन द्वारा पत्र जारी इकलोद सोसायटी के प्रबंधक कन्हैयालाल विश्वकर्मा को प्रशासक द्वारा 9 अक्टूबर को निलंबित करने की जानकारी दी गई। जिसमें बताया गया कि इस आपसी विवाद के कारण समिति की छवि धूमिल हुई है। प्रशासक द्वारा उन्हें निलंबित करने के साथ ही उन पर आरोप पत्र भी जारी किया गया है। अस्थाई रूप से समिति का प्रभारी शिवचरण शर्मा को सौंपा गया है। टीआई बोले जांच के बाद प्रबंधक के आवेदन पर कार्रवाई होगी मामले को लेकर टीआई विमलेश राय से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि इकलोद समिति प्रबंधन ने अपनी शिकायत वापस लेने सबंधी आवेदन दिया है। हम जांच करने के बाद मामले में नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। सोसायटी प्रबंधक द्वारा कलेक्टर के दबाव में एफआईआर वापस लेने की जानकारी देने के संबंध में मीडिया ने बैंक के बाहर मौजूद सीईओ विनयप्रकाश सिंह से सवाल किया। उनका जवाब लथा कि ऐसा कुछ नहीं है। इस मामले में कलेक्टर का कोई दबाव नहीं है। समिति प्रबंधक गलत जानकारी दे रहे हैं। किसान बोला जीत-हार का कोई मामला नहीं है, मुझे तो खाद चाहिए समिति प्रबंधक के निलंबन पत्र में किसान मोहन सिंह रघुवंशी को वैध अवधि का टोकन प्राप्त होने पर खाद देने की बात भी कही गई है। उनसे मामले में हुई कार्रवाई को लेकर सवाल किया तो उनका जवाब था कि ये जीत-हार का मामला है ही नहीं। मुझे तो खाद चाहिए। जो अभी भी नहीं मिल सकी।

वैधानिक गतिविधियों बर्दाश्त नहीं करेंगे

नर्मदापुरम। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बढ़ रही अवैध शराब बिक्री, जुआ और सट्टे जैसी अवैधानिक गतिविधियों के खिलाफ क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरन शर्मा ने सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। इस संबंध में उन्होंने पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को सौंपा। शुक्रवार को विधायक डॉ. शर्मा नगर पालिका अध्यक्ष, जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ रेस्ट हाउस पहुँचे, जहां उन्होंने शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में संचालित अवैध गतिविधियों पर चर्चा की और प्रशासन से तत्परता से सख्ती के साथ कदम उठाने की मांग की है विधायक डॉ शर्मा ने कहा कि ÷हमारा क्षेत्र सभ्य नागरिकों का क्षेत्र है, इसलिए किसी भी प्रकार की अनैतिक और अवैधानिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।÷ उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन को इस दिशा में गंभीरता से कार्य करते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि डॉ. शर्मा इससे पूर्व भी यह मुद्दा राज्य विधानसभा में उठा चुके हैं और कई बार पुलिस प्रशासन को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग कर चुके हैं। हाल ही में भाजपा नर्मदापुरम मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत ने भी नगर में बढ़ती अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा था। ज्ञापन सौंपने के दौरान विधायक डॉ शर्मा के साथ नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव, मध्यप्रदेश तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा, भाजपा जिला मंत्री प्रांशु राणे, मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे, नीरजा फौजदार, महेंद्र यादव, विनोद वर्मा, मनोहर बढ़ानी, अनुराग तिवारी, अर्पित मालवीय, हर्षित दुबे, विपुल यादव एवं आशुतोष शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले कांग्रेस नेता पर प्रकरण दर्ज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

भारत माता पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोपी कांग्रेस नेता असद खान जिलानी पर कलेक्टर अंशुल गुप्ता राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 19 की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। उसे केंद्रीय जेल भोपाल के लिए निरुद्ध करने के आदेश भी कलेक्टर ने दिए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता चक्रेश्वर दयाल श्रीवास्तव की सोशल मीडिया पोस्ट पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले कांग्रेस नेता असद जिलानी पर सिरोंज पुलिस ने 3 अक्टूबर को प्रकरण दर्ज किया था। 4 अक्टूबर जब पुलिस उसे न्यायालय में पेश करने ले जा रही थी, तब असद भारत माता के जयकारे लगाते हुए चल रहा था। उस दिन न्यायालय में उसे कोई वकील नहीं मिला और जेल भेज दिया गया था। शुक्रवार को एक बार फिर न्यायालय में असद की पेशी हुई। इस बार उसके वकील ने जमानत के लिए पक्ष रखा लेकिन चक्रेश्वर दयाल के वकील ने एक बार फिर आपत्ति दर्ज कर दी। न्यायालय ने असद की जमानत निरस्त कर उसे फिर जेल भेज दिया। इसी बीच कलेक्टर ने भी उस पर रासुका के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मढ़ई की जंगल सफारी आज से शुरू, पर्यटकों का गुलाब देकर एसटीआर प्रबंधन ने किया स्वागत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बारिश के कारण चार माह से बंद पर्यटन स्थल धीरे धीरे पर्यटको के लिये खोले जा रहे है। आज सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का मढ़ई कोर क्षेत्र पर्यटको के लिये खोल दिया गया है। आज सुबह से जंगल सफारी शुरू हो गई है। एसटीआर प्रबंधन ने पहले पूजन अर्चना की और फिर फीता काटकर जंगल सफारी का शुभारंभ किया।

इस बार अधिकारियों ने नवाचार करते हुए सतपुड़ा साथियों (दो बेटियों) से फीता कटवाया। इसके बाद सहायक संचालक अंकित जामोद ने हरी झंडी दिखाकर जंगल सफारी वाहन को रवाना किया। पहले सतपुड़ा साथियों के 12 सदस्यों को जंगल सफारी के लिये भेजा गया। आज पहले दिन जंगल सफारी के लिये मढ़ई पहुँचे पर्यटकों का एसटीआर प्रबंधक ने तिलक लगाकर ,फूल माला ,गुलाब के फूल से स्वागत किया और फिर पर्यटको को सफारी के लिये प्रवेश दिया गया।सतपुड़ा साथियों के पीछे पर्यटकों की जिप्सी को भेजा गया। जंगल सफारी के लिये

पहले दिन 28 जिप्सी की ऑन लाइन बुकिंग हुई है। रेंजर राहुल उपाध्याय ने बताया कि आज की दो शिफ्ट में पर्यटकों ने बुकिंग की है पहली शिफ्ट में सुबह 17 जिप्सी सफारी पर्यटकों के लिये रवाना हुई है।

वहीं दोपहर की शिफ्ट के लिए 11 जिप्सी जंगल सफारी के लिये जायेंगी।इस के अलावा ऑफ लाइन बुकिंग भी हुई है। रेंजर उपाध्याय ने बताया कि इस बार प्रबंधन ने पर्यटन के क्षेत्र में नवाचार करते हुये आसपास के गांवो के लोगो को सतुपड़ा साथी बनाया है। इस पुरूष-महिला दो शामिल है। मढ़ई कोर क्षेत्र में जंगल सफारी के दौरान पर्यटको ने वनप्राणियों का करीब से देखा। उल्लेनीय है एसटीआर में करीब 70 से ज्यादा टाइगर है। और चीतल, सांभर, बारहसिंग, बायसन, भालू, कई तरह के पक्षी है।

स्कूल में रखे सिलेंडर में लगी आग

सिरोंज। रावजी पथ पर स्थित कन्या हासे स्कूल के रसोई घर में गुरूवार सुबह गैस सिलेंडर में आग लग गई। स्कूल के किचन में 4 महिला रसोईयां गुरूवार सुबह मध्याह भोजन बना रहीं थी। इस दौरान सिलेंडर में आग लगी तो सभी महिलाएं भाग कर बाहर आ गई। रसोईघर में न तो अग्निशमन यंत्र तक उपलब्ध नहीं था। उन्होंने आसपास मौजूद लोगों को आवाज लगाई। मौके पर पार्षद प्रतिनिधि बलजीत यादव पहुंचे और नपा प्रबंधन को अवगत कराया। लगातार मशक्कत के बाद आग पर काबू किया जा सका। घटना में रसोई घर में रखा काफी सामान जलकर खाक हो गया।

मेट्रो एंकर

नर्मदा अपना अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

350 से अधिक मरीजों ने लिया लाभ, बताए रोगों से बचाव के तरीके

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के उद्देश्य से नर्मदा एडवांस्ड हार्ट केयर सेंटर भोपाल एवं आरोग्य भारती मध्यभारत प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में नर्मदा अपना अस्पताल, हरदा बायपास रोड नर्मदापुरम में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में 350 से अधिक मरीजों ने निःशुल्क परामर्श के साथ बी.एम.डी. (हड्डियों की जांच) और पी.एफ.टी. (फेफड़ों की जांच) जैसी विशेष जांचों का लाभ उठाया।

शिविर में विभिन्न रोगों के सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सक उपस्थित रहे, जिनमें हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहित जैन, न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन डॉ. सौरभ श्रीवास्तव, ट्रॉमा एवं ऑर्थो स्पेशलिस्ट डॉ. राजेश शर्मा, डायबिटीज व ब्लड प्रेशर रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुव्रत भटनागर, जनरल सर्जन डॉ. सौरभ रघुवंशी, महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. अनन्या रघुवंशी, हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि चढ़ार, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुपम मालवीय तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सत्यवीर सिंह प्रमुख रूप से शामिल रहे।

डॉ. मोहित जैन ने शिविर के दौरान बताया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और असंतुलित खानपान के कारण हृदय रोगों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। नियमित जांच और अनुशासित जीवनशैली से इन रोगों को रोका जा सकता है। आरोग्य भारती के अखिल भारतीय प्रमुख (आध्यात्मिक स्वास्थ्य) डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य नर्मदापुरम एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उनके नगर में ही उपलब्ध कराना है, ताकि मरीजों को महानगरों तक न जाना पड़े।

नर्मदा अपना अस्पताल के मीडिया प्रभारी मनोज सारन ने बताया कि अस्पताल में जनरल सर्जन, महिला रोग विशेषज्ञ और हड्डी रोग विशेषज्ञ प्रतिदिन परामर्श एवं आपातकालीन सेवाओं के लिए उपलब्ध रहते हैं। भविष्य में भी अस्पताल प्रबंधन द्वारा ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा ताकि समाज के जरूरतमंद वर्ग को स्वास्थ्य सेवाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिलता रहे।इस आयोजन को सफल बनाने में रोटरी क्लब नर्मदापुरम रॉयल, लायंस क्लब, आदर्श महिला क्लब, इनरव्हील क्लब, राजपूत समाज, करणी सेना परिवार, अयोध्यावासी वैश्य गुप्ता समाज, वरिष्ठ नागरिक समिति सहित अनेक सामाजिक संगठनों ने सहयोग प्रदान किया। सक्रिय सामाजिक सहभागिता से यह शिविर नर्मदापुरम क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता का प्रतीक बन गया।

धान बेचने पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग

बालाघाट, दोपहर मेट्रो

जिले में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर को समाप्त हो गई है। किसान गर्जना संगठन ने पंजीयन की यह तिथि 20 अक्टूबर तक बढ़ाने की मांग की है। संगठन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव को ज्ञापन सौंपकर अपनी बात रखी। संगठन के जिलाध्यक्ष अरविंद चौधरी ने बताया कि जिले में बिजली कटौती, पंजीयन सर्वर में खराबी और गलत गिरदावरी के कारण कई किसान पंजीयन से वंचित रह गए हैं, उन्होंने कहा कि सरकार की किसान हितैषी योजना से कोई भी किसान छूटे नहीं, इसलिए तिथि बढ़ाना आवश्यक है।

मामूली बात पर आपा खो बैठे डॉक्टर, मरीज के परिजनों को पीटने लगा

रायसेन, दोपहर मेट्रो

एमपी में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का हाल छिपा नहीं है। आए दिन स्वास्थ्य केंद्रों से शर्मसार करने वाले वीडियो सामने आते रहते हैं। अब रायसेन जिले एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का वीडियो वायरल है। यह क्षेत्र स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल का है। स्वास्थ्य केंद्र में एक डॉक्टर मरीज के परिजन से मारपीट कर रहा है। अस्पताल में मौजूद लोगों ने इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया है, जो वायरल हो रहा है।सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो रायसेन स्थित बरेली सिविल अस्पताल का है। सिविल अस्पताल में सोमवार को इलाज के दौरान डॉक्टर और मरीज के परिजन में विवाद हो गया। इसके बाद डॉक्टर ने मरीज के परिजन की पिटाई शुरू कर दी। मारपीट कर रहे डॉक्टर का नाम कुमार विश्वास है। वह कॉलर पकड़कर परिजन की पिटाई कर रहे हैं। साथ ही कह रहे हैं कि मैं दिखाऊं मैं, समझ में नहीं आ रहा है क्या। बताया जा रहा है कि मामूली कहासुनी पर बात इतनी बढ़ी कि डॉक्टर कुमार विश्वास ने अपना आपा खो बैठा। उन्होंने मरीज के परिजन के साथ जमकर मारपीट कर दी। बताया जा रहा है कि मरीज के अटेंडर ने डॉक्टर से इलाज में देरी को लेकर बहस शुरू की,जो देखते ही देखते गाली-गलौज और फिर मारपीट में बदल गई।

जिले के नगर बड़ा गांव की घटना, छाया मातम

मूंगफली उखाड़ने गई मासूम गायब, 48 घंटे बाद मृत मिली

टीकमगढ़, दोपहर मेट्रो

जिले के नगर बड़ा गांव की रहने वाली 4 साल की मासूम बुधवार की दोपहर करीब 3ः00 बजे लापता हो गई थी। वह अपने परिजनों के साथ खेत में मूंगफली उखाड़ने गई थी। उसी दौरान अचानक से गायब हो गई, जिसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश की। जब वह नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस ने उसकी तलाश की तो कुएं के पास मृत अवस्था में मिली।

टीकमगढ़ एसडीओपी राहुल कटरे ने बताया कि बच्ची को खोजने के लिए पुलिस ने पांच टीम बनाई थी। ये टीमों के साथ करीब 100 से अधिक ग्रामीण भी सर्चिंग अभियान में शामिल थे। 48 घंटे लगातार सर्च किया गया। ड्रोन कैमरे की भी मदद ली गई। जिसके बाद शुक्रवार की शाम 4 साल की मासूम गायत्री की लाश कुएं के पास मिली। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। पूरे गांव में इस बात की चर्चा है कि बच्ची की मौत कैसे हुई। यह एक रहस्य बना हुआ है।

पुलिस ने कहा- पीएम रिपोर्ट के बाद होगा खुलासा

पुलिस का कहना है कि पहले पंचनामा की कार्रवाई की गई और पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल बड़ागांव भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। प्रत्यक्षदर्शियों ने इस पूरे मामले को लेकर संदेह व्यक्त किया है। एसडीओपी राहुल ने बताया कि बच्ची की लाश मिलने के बाद पंचनामा की कार्रवाई की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद इस पूरे मामले का खुलासा होगा। इस घटना को लेकर पुलिस लगातार जांच कर रही है।

कुएं में गिरा मोबाइल तो युवक ने निकलवा दिया पूरा पानी, फिर भी नहीं मिला है मोबाइल

अशोकनगर। जिले में ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। एक युवक का मोबाइल कुएं में गिर गया था। मोबाइल में युवक का महत्वपूर्ण डेटा था। फिर क्या था मोबाइल को ढूंढने के लिए युवक ने पूरे कुएं का पानी खाली करवा दिया। इस दौरान वहां लोगों की भीड़ उमड़ी रही। मामला चंदेरी क्षेत्र का है, जहां गरमाई बावड़ी के पास रहने वाले युवक फैजान का मोबाइल कुएं में गिर गया था। मंगलवार देर रात से बुधवार सुबह तक पूरी बावड़ी का पानी मोटर पंप से खाली कर मोबाइल तलाशने काम किया। बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात उसके दोस्त के धक्का से मोबाइल बावड़ी में गिर गया था। मोबाइल की कीमत 30 हजार रुपये थी, लेकिन उसमें सेव जानकारी बहुत जरूरी थी। फैजान चंदेरी साड़ी बेचने का व्यवसाय करता है।

पुलिस ने निकाला अपराधी का जुलूस

कटनी। कटनी में एक युवक पर जानलेवा हमला कर दहशत फैलाने वाले दो आरोपियों को रीठी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों का नगर में जुलूस निकाला, जिसमें वे अपनी गलती स्वीकार करते हुए चाकू चलाना पाप है, पुलिस हमारे बाप हैं जैसे नारे लगा रहे थे। रीठी पुलिस के अनुसार, गुरुवार शाम प्रार्थी राजबहोर बर्मन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक, शाम करीब 8 बजे आरोपी राजू सिंह (28) और साहिल अली (20) एक चाय-पान की दुकान पर सिगरेट लेने आए थे। जब दुकानदार ने सिगरेट के पैसे मांगे तो आरोपियों ने पैसे देने से इनकार कर दिया और दुकानदार से ही रुपयों की मांग कर विवाद करने लगे।प्रार्थी की रिपोर्ट पर रीठी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपी राजू सिंह पिता प्रताप सिंह (निवासी ग्राम खमरिया, थाना रीठी) और साहिल अली पिता खलील अली (निवासी थाना रंगनाथ) को हिरासत में लिया। सघन पूछताछ के बाद पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू और मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली।

गर्लफ्रेंड की डिमांड सुन फंदे पर लटका युवक

सिंगरौली। जिले के बलियरी में करवा चौथ से ठीक पहले एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। युवक का नाम प्रेम कुमार शाह था। परिजनों का आरोप है कि उसकी प्रेमिका और उसके परिवार वाले उसे लगातार परेशान कर रहे थे और पैसों की मांग कर रहे थे। इस मामले में पुलिस जांच कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा और पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। लेकिन परिजन शव को घर ले जाने के बजाय थाने के मुख्य द्वार पर रखकर हंगामा करने लगे। परिजनों का कहना था कि मृतक प्रेम कुमार शाह अपनी पुरानी प्रेमिका से बहुत परेशान था। प्रेमिका लगातार पैसों की मांग करती थी। युवक उसे काफी पैसे दे भी चुका था। परिजनों के मुताबिक, प्रेमिका ने 5 लाख रुपये की मांग की थी, जिसका जिक्र युवक ने सुसाइड नोट में भी किया है। परिजनों ने साफ कहा कि जब तक प्रेमिका और उसके परिवार वालों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं होता, वे थाने से नहीं हटेंगे।

बच्चे की मौत, क्लीनिक सील, होगी जांच

खरगोन। जहरीले कफ सिरप के बाद खरगोन में इंजेक्शन लगने से 4 साल के बच्चे की मौत ने हड़कंप मचा दिया है। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच बैठा दी है। वहीं जहां इंजेक्शन लगाया गया था, वह क्लीनिक भी सील कर दी गई है। दवा दुकानों से सैंपल लेकर लैब भेजे गए हैं। इधर बच्चे की मां और पिता का बेटे के गम में बुरा हाल है। जानकारी अनुसार खरगोन में कथित तौर पर गलत इंजेक्शन लगाए जाने के कारण 4 वर्षीय विहान पंचोले की मौत के मामले में कलेक्टर भव्या मित्तल ने तीन सदस्यीय जांच दल गठित करने के निर्देश दिए हैं। जिस क्लीनिक में इंजेक्शन लगाया गया था उसे सील कर दिया गया है। इंजेक्शन बेचने वाली दवा दुकानों से दवाइयों के नमूने लेकर परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। मामले में पुलिस ने भी जांच आरंभ कर दी है। मध्य प्रदेश के खरगोन जिला मुख्यालय पर कथित तौर पर गलत इंजेक्शन लगाए जाने के मामले में कलेक्टर ने जांच के निर्देश दिए हैं। सीएमएचओ डॉक्टर दौलत सिंह चौहान ने बताया कि जिला कलेक्टर भव्या मित्तल के निर्देश पर तीन सदस्य जांच दल का गठन किया गया है। इसमें दो शिशु रोग विशेषज्ञ और एक मेडिकल स्पेशलिस्ट शामिल है। उन्होंने बताया कि जिस जगह 4 वर्षीय विहान को इंजेक्शन लगाया गया था, वह क्लीनिक सील कर दिया गया है। साथ ही जहां से इंजेक्शन खरीदे गए थे, वहां से दवाइयां के सैंपल भी लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि विहान के शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। फिलहाल रिपोर्ट नहीं प्राप्त हो सकी है।

स्कूल की कहकर तालाबनुमा गड्ढे में नहाने गया छात्र डूबा, मशक्कत के बाद रात 8.45 बजे मिला शव

सागर, दोपहर मेट्रो

मोतीनगर थाना क्षेत्र के बदौना गांव में गुरुवार को हृदयविदारक घटना सामने आई। जहां घर से स्कूल के लिए निकला छात्र दोस्तों के साथ तालाबनुमा गड्ढे में नहाने चला गया। छात्र गहरे पानी में डूब गया। उसके दोस्तों ने उसे तलाशने का प्रयास किया लेकिन नहीं मिला। आनन-फानन में पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पर बुलाई गई। टीमें देर रात तक छात्र की तलाश करती रहीं। कड़ी मशक्कत के बाद रात करीब 8.45 बजे छात्र का शव पानी से बाहर निकाला गया।

दरअसल, रजौआ निवासी 17 वर्षीय लेखराज पुत्र हेमराज पटेल कक्षा 10 वीं का छात्र है। गुरुवार सुबह वह दो दोस्तों के साथ स्कूल जाने का कहकर घर से निकला था। वह तीनों स्कूल न जाकर बदौना गांव के पास बने तालाबनुमा गड्ढे में नहाने चले गए। नहाते समय लेखराज गहरे पानी में गया और डूब गया। दोस्तों ने घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी। ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। लोगों ने मोतीनगर थाना पुलिस को बुलाया। पुलिस ने एसडीआरएफ टीम को सूचना दी। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। करीब 25 फीट गहरे पानी में ग्रामीण भी किशोर को खोजते रहे लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। एसडीआरएफ की टीम ने प्रयास जारी रहे और रात करीब पौने नौ बजे शव को पानी से बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

अपहरण व दुष्कर्म के चार आरोपी गिरफ्तार

सागर, दोपहर मेट्रो

पुलिस ने अपहरण व दुष्कर्म के मामले में फरार चार इनामी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 14 अगस्त 2023 को नाबालिग के परिजनों ने शाहगढ़ पुलिस थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि अज्ञात आरोपी उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया है।पुलिस ने अपहरण व दुष्कर्म के मामले में फरार चार इनामी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 2023 में नाबालिग के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि अज्ञात आरोपी उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया है। खोजबीन कर नाबालिग को परिजनों को सौंप दिया था। आरोपी रामेश्वर पुत्र निर्भय गौड़ निवासी शाहगढ़, अनेश पुत्र मूरत गौड़, अर्जुन पुत्र गद्दो गौड़, राम पुत्र राजेश गौड़ निवासी गढ़ाकोटा के खिलाफ मामला दर्ज किया था। वारदात के बाद से ही आरोपी फरार थे।

मीरा लोधी का सहायक प्राध्यापक में हुआ चयन

तारादेही/तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

संघ लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक परीक्षा में ग्राम तारादेही से मीरा लोधी का चयन हुआ हैं। परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें मीरा

लोधी अनारक्षित वर्ग से 29 वीं रैंक हासिल की हैं। वर्तमान में मीरा लोधी पन्ना जिले के अजयगढ़ ब्लांक में महिला बाल विकास में पर्यवेक्षक के पद पर अपनी सेवाएं दे रही हैं। साथ ही प्रभारी परियोजना अधिकारी का कार्यभार संभाल रही हैं। मीरा लोधी तारादेही के प्रतिष्ठित ठाकुर परिवार शिक्षक गुड्डा सिंह ठाकुर के पुत्र मयंक सिंह लोधी जो भोपाल अखिल भारतीय आर्यु विज्ञान संस्थान में फार्मासिस्ट के पद पर पदस्थ हैं जिनकी पत्नि हैं। इस उपलब्धि पर तारादेही वरिष्ठ जन एवं शिक्षक गुड्डा सिंह की मित्र मंडली के अलावा तेंदूखेडा नगर के सभी शिक्षकों ने बधाई दी हैं।

तेंदूखेड़ा में कांग्रेस ने कैंडल मार्च निकालकर जताया विरोध

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा छिंदवाड़ा एवं बैतूल जिलों में जहरीली कफ सिरप पीने से कई नवजात मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत से समूचा प्रदेश स्तब्ध और शोकाकुल है। इस हृदय विदारक घटना के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तेंदूखेड़ा के नेतृत्व में नगर में एक शांतिपूर्ण कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च प्रभारी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नीलेश यादव एवं जनपद तुलाराम यादव पंचायत अध्यक्ष के नेतृत्व में निकाला गया।

कैंडल मार्च में शामिल कांग्रेसजनों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लिया। इस गंभीर घटना के लिए स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि जब बच्चों की जान पर बन आई हो, तब स्वास्थ्य मंत्री का पद पर बने रहना नैतिकता के खिलाफ है। उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। समाजसेवी मदन नामदेव ने भी घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद दुखद और चिंताजनक है कि जिस कफ सिरप को पूर्व में प्रतिबंधित किया गया था, वही सिरप अब मासूमों की जान ले रहा है। यह सरकार की लापरवाही और प्रशासन की निष्क्रियता को दर्शाता है। कैंडल मार्च के माध्यम से ब्लॉक कांग्रेस ने सरकार से माँग की कि दोषी दवा कंपनियों एवं संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए।कैंडल मार्च में अनेक कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता एवं समाजसेवी शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से श्रीकांत पोर्ते, मदन नामदेव, दिलीप खटीक, प्रमोद बेन, गोपाल दुबे, रामकृष्ण मालवीय, शोएब खान, मुस्ताक खान, रहीश खान, नरेश केवट, धर्मेंद्र यादव, तिलक राज, विनोद अहिरवार, पीतांबर साहू, पूर्व नपाध्यक्ष ऋषभ सिंघई व अन्य शामिल रहे7

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने युवक को कुचला, मौत

मंडला, दोपहर मेट्रो

जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना हो गई, जिसमें बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। यह हादसा सुरंग देवरी के नजदीक हुआ। मृतक युवक की पहचान बिंझिया निवासी अक्षय यादव (27) के रूप में हुई है।सूचना मिलने पर महाराजपुर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल अक्षय यादव को एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। महाराजपुर पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है और ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

उद्घोषणा पत्र
न्यायालय तहसीलदार वृत्त 3 तहसील-हुज़ूर जिला भोपाल
प्रकरण क्रमांक-4020/31-6/2025-2020

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक श्री दिलीप इंगोले आत्मज स्व० श्री विनायक राव इंगोले निवासी क्वाटर नम्बर एच 4/35 न्यू आवास कालोनी 64 लाईन भदभदा रोड शहर भोपाल म०प्र०, ने द्वारा म.प्र.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दस्तावेज ई पंजीयन क्रमांक-1656/5 दिनांक 05/03/2012 के आधार पर क्रय की गई भूमि खसरा क्रमांक 5/1/5 वर्तमान खसरा क्रमांक 7/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 कुल रकबा मे से 1000 वर्गफिट भूमि ग्राम नीलबड प०ह०न०. 51 तहसील हुज़ूर जिला भोपाल का नामांतरण राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम स्वीकृत किए जाने का अनुरोध किया गया है।
2-उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 24.10.2025 को या इससे पूर्व इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात् प्रस्तुत किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
उक्त उद्घोषणा पत्र मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 10.10.2025 को जारी किया गया ।

सील
तहसीलदार
तहसील कोलार, जिला-भोपाल

मेट्रो एंकर

जिले के किसान भावांतर योजना अंतर्गत 17 अक्टूबर तक पंजीयन कराएं

अब तक 19 हजार से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

देवास, दोपहर मेट्रो

जिले में भावांतर योजना अंतर्गत 78 पंजीयन केंद्र सेवा सहकारी संस्थाओं में बनाए गए हैं। पंजीयन केंद्रों में किसान भाई आधार कार्ड की कॉपी, बैंक पासबुक, खसरा की कॉपी तथा आधार में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर के साथ अपने आसपास के सोसायटी में जाकर पंजीयन करा सकते हैं। जिले में अभी तक 19 हजार 956 पंजीयन हो चुके हैं। भावांतर योजना अंतर्गत किसान पंजीयन में देवास जिला प्रदेश में पांचवे स्थान पर है।

उक्त जानकारी उप संचालक कृषि गोपेश पाठक ने दी। आगे इन्होंने बताया कि भावांतर योजना अंतर्गत पंजीयन 17 अक्टूबर तक होंगे तथा 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक किसान भाई अपनी उपज मंडी में ले जाकर बेच सकते है। सोयाबीन का किसानों को उचित मूल्य मिल सके तथा उनके नुकसान की भरपाई हो सके इसके लिए सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य 05 हजार 328 रुपए है। किसान के विक्रय मूल्य के अंतर की राशि किसानों के आधार लिंक बैंक खातों में सीधे डीबीटी के माध्यम से जमा की जाएगी। इस योजना के प्रचार- प्रसार के लिए विभिन्न स्थानों पर पोस्टर होर्डिंग तथा लीफलेट का वितरण किया जा रहा है। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से भी किसानों तक पंजीयन करने की अपील की जा रही है। किसानों से अनुरोध है कि शीघ्र ही अपने निकट सेवा सहकारी संस्था में जाकर पंजीयन कराये।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा नगरीय पुलिस जिला भोपाल (म.प्र.)
OFFICE OF THE POLICE STATION KOHEFIZA BHOPAL PIN60021 (MP)
क्रमांक – थाना/कोहे/भो/गुम.इ/क्र 60/25 दिनांक 8/10/25

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 06/10/25 उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि सूचक जितेन्द्र यादव पिता शैतान सिंह उम्र 28 साल निवासी ग्राम किशनपुरा तहसील

सिरोंज जिला विदिशा मोबाइल 9685974693 ने थाना उपस्थित आकर सूचना दिया कि मैं लिखाये पते पर निवास करता हूं तथा खेती करता हूं। मेरे चाचा करतार सिंह पिता स्व. रतन सिंह उम्र 42 साल निवासी ग्राम किशनपुरा तहसील सिरोंज जिला विदिशा से उनके बेटे आकाश का ईलाज कराने हमीदिया अस्पताल आये हुये थे, जो दिनांक 03/10/25 के दोपहर करीब 02/30 बजे चाय लेने का बोलकर बाहर गये और फिर वापस नहीं आये। हमने अस्पताल के अंदर–बाहर, आसपास तलाश किया और रिश्तेदारों से भी फोन करके पूछा, लेकिन किसी ने कोई जानकारी नहीं होना बताया। मेरे चाचा करतार सिंह अस्पताल से बिना बताये कहीं चले गये हैं, मिलने पर थाना प्रभारी कोहेफिजा के मो 9479990687 जांच कर्ता सउनि अन्त राम यादव 9131622303 से सम्पर्क करने का कष्ट करें।

गुम इन्सान का हुलिया: कद–5 फीट, रंग – सावला, चेहरा– गोल, बदन – दुबला/पतला पहनावा – पेन्ट शर्ट, पैरो – काले रंग की जूता पहने है।

थाना प्रभारी
थाना कोहेफिजा भोपाल

जी–19788/25

शादी टूटी, आईपीएल में हुए ट्रोल

फिर अपने एक ओवर से टीम इंडिया को बना दिया वर्ल्ड चैम्पियन

नई दिल्ली। साल 2024... हार्दिक पंड्या के लिए किसी रोलर कोस्टर से कम नहीं रहा था. एक ओर उनकी निजी जिंदगी में तूफान आया, वहीं दूसरी ओर उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार ट्रोल किया गया. लेकिन इन सबके बावजूद हार्दिक ने हार नहीं मानी। हार्दिक ने भारतीय टीम के लिए गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर फैन्स के दिलों में जगह बनाई।

हार्दिक पंड्या 11 (अक्टूबर) को 32 साल के हो गए। हार्दिक फिलहाल चोट के कारण क्रिकेटिंग एक्शन से दूर हैं। वो ऑस्ट्रेलिया दौरे को भी मिस करने वाले हैं, जहां भारतीय टीम तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबले खेलने जा रही है। उम्मीद है कि हार्दिक साउथ अफ्रीका के खिलाफ घर पर होने वाले वनडे और टी20 मैचों के लिए फिट हो जाएंगे। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने अपने करियर में कुछ यादगार परफॉर्मेंस दिए हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ जैसी गेंदबाजी की, वो फैन्स के जेहन में बच चुकी है। 29 जून 2024 को ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल में हुए उस खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराकर खिताब जीता था।

आखिरी ओवर में कर दिया था कमाल

तब मैच का आखिरी ओवर हार्दिक पंड्या ही करने आए थे, जहां उन्होंने विपक्षी टीम को जीत के लिए जरूरी 16 रन नहीं बनाने दिए थे। हार्दिक ने उस ओवर में डेविड मिलर और कगिसो रबाडा के विकेट लेकर भारत की जीत सुनिश्चित की। दबाव भरे उस ओवर में हार्दिक ने ना केवल विकेट लिए, बल्कि टीम इंडिया को 17 साल बाद टी20 विश्व कप चैम्पियन बना दिया। उसी मुकाबले में हार्दिक ने खतरनाक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन को भी आउट किया था। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बीच ही हार्दिक पंड्या की निजी जिंदगी में भी भूचाल आ गया था। हार्दिक और नताशा स्टेनकोविक ने 4 साल के रिश्ते को तोड़ने का फैसला किया था। दोनों ने तलाक की आधिकारिक घोषणा टी20 वर्ल्ड कप के बाद 18 जुलाई को की थी। निजी जीवन की उथल-पुथल के बावजूद हार्दिक ने मैदान पर खुद को संभाले रखा। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से ऐसा प्रदर्शन किया कि आलोचक भी उनकी तारीफ करने पर मजबूर हो गए। टी20 वर्ल्ड कप में उनका योगदान टीम इंडिया को चैम्पियन बनाने में निर्णायक साबित हुआ।

हार्दिक पंड्या के लिए ये सब आसान नहीं था। आईपीएल 2024 की शुरुआत से पहले जब हार्दिक को रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया गया, तो फैन्स नाराज हो गए। मैदान पर उनकी हूटिंग की गई। मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी उस सीजन खराब रहा, जिसके चलते हार्दिक को जमकर ट्रोल किया गया। इन सब चीजों को दूर रखते हुए हार्दिक पंड्या ने अपने खेल से जवाब दिया, जो काफी प्रेरणादायक है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद हार्दिक भावुक हो गए थे। हार्दिक ने कहा था, मैं गरिमा में विश्वास करता हूं। बहुत लोगों ने बातें कहीं, जिन्होंने मुझे ठीक से जाना भी नहीं था।

क्या स्मृति मंधाना को लग गई नजर

महिला विश्व कप में रन के लिए जूझ रहीं शीर्ष-15 बल्लेबाजों में उनका नाम नहीं

नई दिल्ली , एजेंसी

महिला वनडे विश्व कप 2025 की शुरूआत से पहले दुनिया भर की महिला क्रिकेटरों से जब पूछा गया कि कौन-सी खिलाड़ी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा प्रभाव डालेगी? तो लगभग सभी ने एक ही नाम लिया- स्मृति मंधाना। पाकिस्तान की फातिमा सना, श्रीलंका की विशमी गुणारत्ने, ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और जेस कर और इंग्लैंड की लॉरेन बेल, सभी ने स्मृति का नाम लिया, लेकिन अब वही स्मृति मंधाना रनों के लिए जूझती हुई नजर आ रही हैं। टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा है और वह अब तक इस टूनामेंट की शीर्ष-15 बल्लेबाजों की सूची में भी शामिल नहीं हैं।

भारत की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना से इस विश्व कप में बड़ी उम्मीदें थीं। वे अपनी तकनीक, टाइमिंग और आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। टूनामेंट शुरू होने से पहले वह रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रही थीं। हालांकि, अब तक खेले गए मैचों में वह अपनी लय नहीं पकड़ पाई हैं। शुरूआती पारियों में उनका औसत बेहद गिरा हुआ है और स्ट्राइक रेट भी प्रभावशाली नहीं रहा।

आईसीसी टूर्नामेंट्स में मंधाना का औसत प्रदर्शन

मंधाना का आईसीसी टूनामेंट्स में प्रदर्शन भी औसत रहा है। वनडे में जहां उनका करियर औसत 47.06 का और स्ट्राइक रेट 89.61 का है, वहीं टी20 में उनका करियर औसत 29.93 का और स्ट्राइक रेट 123.97 का है। हालांकि, महिला वनडे विश्व कप में मंधाना का औसत घटकर 34.05 का और स्ट्राइक रेट 82.94 का हो जाता है, जबकि टी20 विश्व कप में औसत घटकर 21.83 का और स्ट्राइक रेट 114.41 का हो जाता है।

मंधाना अब तक तीन पारियों में 18.00 की औसत से 54 रन बना पाई हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 72.97 का रहा है। वह अब तक सात चौके और एक छक्का लगा सकी हैं। वह इस टूनामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में 22वें स्थान पर हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि मंधाना ओवरथिंकिंग और दबाव का शिकार हो रही हैं।

कौर ने शीर्ष क्रम पर फोड़ा था ठीकरा

पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने मिताली राज ने कमेंट्री के दौरान कहा, जब हर कोई आपसे उम्मीद रखता है, तो कभी-कभी खिलाड़ी खुद पर ज्यादा दबाव महसूस करने लगता है। स्मृति को बस अपने नैचुरल गेम पर लौटने की जरूरत है। मंधाना के जल्दी आउट होने की वजह से भारत ने अब तक कोई धमाकेदार ओपनिंग नहीं की है और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद शीर्ष क्रम पर ही हार का ठीकरा फोड़ा। स्मृति की गिरती फॉर्म पर सोशल मीडिया पर भी प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि लगता है इतनी सारी स्टार्स ने एक साथ मंधाना का नाम लिया तो उन्हें नजर लग गई। कई प्रशंसकों ने कहा कि स्मृति जल्द ही वापसी करेंगी, क्योंकि उनकी प्रतिभा और क्लास पर कोई सवाल नहीं। एक और फैन ने लिखा, स्मृति सिर्फ एक पारी दूर हैं, फॉर्म में लौटते ही सबको जवाब देंगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस समय अपने मध्यक्रम पर निर्भर दिख रही है। ऐसे में ओपनर स्मृति मंधाना की वापसी टीम के संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। भारत को आगामी मैचों में मजबूत शुरूआत की आवश्यकता है, जो स्मृति ही दे सकती हैं। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि आने वाले मुकाबलों में स्मृति मंधाना अपने पुराने अंदाज में लौटेंगी।

आईपीएल 2026 से पहले सीएसके में होगा बड़ा बदलाव

दीपक हुड्डा समेत इन पांच खिलाड़ियों को रिलीज करेगी पांच बार की विजेता टीम

नई दिल्ली , एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। पांच बार की आईपीएल चैम्पियन टीम सीएसके ने 14 में से केवल 4 मुकाबले जीते थे और वो अंकतालिका में आखिरी स्थान पर रही थी। टीम मैनेजमेंट अब आईपीएल 2026 से पहले बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल 2026 के लिए मिनी ऑक्शन से पहले पांच खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती है। जिन खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जा सकता है- उनमें सैम करन (इंग्लैंड), डेवोन कॉन्वे (न्यूजीलैंड), दीपक हुड्डा, विजय शंकर और राहुल त्रिपाठी शामिल हैं। टीम के बेहद खराब प्रदर्शन के चलते इन खिलाड़ियों को रिलीज करने की नौबत आई है।

आईपीएल 2025 में ऋतुराज गायकवाड़ की चोट ने भी चेन्नई सुपर किंग्स की मुश्किलों में इजाफा किया था। ऋतुराज के बाहर होने के बाद एमएस धोनी ने टीम की कमान संभाली, लेकिन वो भी टीम की किस्मत नहीं बदल सके। अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करने की रणनीति इस बार उलटी पड़ गई।

इस मामले में फिसड्डी रही सीएसके

टॉप ऑर्डर के खराब प्रदर्शन ने चेन्नई सुपर किंग्स की मुश्किलें काफी बढ़ाईं। डेवोन कॉन्वे, दीपक हुड्डा, विजय शंकर और राहुल त्रिपाठी का फॉर्म लगातार गिरता गया। आईपीएल 2025 में सीएसके के बल्लेबाजों ने 138 ।29 के स्ट्राइक रेट से 2315 रन बनाए, जो पिछले सीजन में किसी टीम का सबसे कम स्ट्राइक रेट था। इसके अलावा सीएसके ने पावरप्ले में सबसे कम रन (693) बनाए, साथ ही 29 विकेट गंवाए। टीम मैनेजमेंट अब युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताना चाहती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रेंचाइजी का इरादा स्क्वॉड को नए सिरे से बनाने का है ताकि टीम नई ऊर्जा के साथ अगले सीजन में वापसी कर सके। रविचंद्रन अश्विन के आईपीएल से रिटायरमेंट के बाद सीएसके को एक तरह से फायदा हुआ है।

खेलना चाहते हैं 2027 का वर्ल्ड कप

विराट कोहली और रोहित शर्मा फिर खेलेंगे डोमेस्टिक क्रिकेट

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली की जोड़ी विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए दिख सकते हैं। दोनों ही न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से पहले कम से कम तीन या चार मैच विजय हजारे ट्रॉफी के खेलते दिख सकते हैं। विजय हजारे ट्रॉफी एक लिस्ट-ए टूर्नामेंट है। जिसमें हर टीम 50 ओवर्स खेलती है। रिपोर्ट के अनुसार- अगर दोनों खिलाड़ी 2027 वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, तो उन्हें न्यूजीलैंड सीरीज से पहले कम से कम दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलने होंगे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खत्म होने और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज शुरू होने के बीच दिल्ली और मुंबई के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम छह राउंड होंगे। नेशनल सेलेक्टर भी उम्मीद कर रहे हैं कि अनुभवी खिलाड़ी इस टूनामेंट में खेलें।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने ढळक को बताया, साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी वनडे 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में है और न्यूजीलैंड के

खिलाफ पहला वनडे 11 जनवरी को वडोदरा में होना है। इसके बीच में पांच हफ्ते का अंतर है। विजय हजारे ट्रॉफी 24 दिसंबर से शुरू होगी। मुंबई के लिए छह राउंड होंगे (24, 26, 29, 31 दिसंबर और 3, 6, 8 जनवरी)। ऐसे में रोहित कम से कम तीन राउंड खेलेंगे, विराट के लिए भी यही लागू है।

विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में आखिरी बार फरवरी 2010 में खेला था, उस समय उन्होंने दिल्ली की कप्तानी की थी। वहीं रोहित शर्मा ने आखिरी बार अक्टूबर 2018 में विजय हजारे ट्रॉफी में खेला। उन्होंने मुंबई के लिए दो मैच खेले थे। क्वार्टर फाइनल में बिहार के खिलाफ रोहित ने 33* रन बनाए और सेमीफाइनल में हैदराबाद के खिलाफ 17 रन बनाए।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

दीवाना मस्ताना के प्यार के लिए अनीस बज्मी ने दर्शकों का दिया दिल से धन्यवाद

मुंबई । बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म दीवाना मस्ताना को याद करते हुए निर्देशक अनीस बज्मी ने शुक्रवार को एक पोस्ट के जरिए दर्शकों के प्यार के लिए उनका दिल से शुक्रिया अदा किया है। अनीस ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए एक कैप्शन लिखा, 28 साल पहले, दीवाना मस्ताना मेरे लेखन के सफर का एक खास हिस्सा बनी। इस फिल्म को आप सभी से जो प्यार और समर्थन मिला, उसके लिए मैं तहेदिल से आभारी हूं। हर उस दर्शक का शुक्रिया, जिसने इस सफर को यादगार बनाया।

27 सितंबर 1997 में रिलीज हुई दीवाना मस्ताना एक ऐसी फिल्म थी, जिसने कॉमेडी और रोमांस का अनोखा संगम पेश कर दर्शकों का दिल जीत लिया था। डेविड धवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अनिल कपूर, गोविंदा, जूही चावला, जॉनी लीवर और सलमान खान जैसे सितारों ने अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया था। फिल्म का लेखन अनीस बाज्मी ने किया था।

फिल्म की कहानी दो दोस्तों पर

फिल्म की कहानी में दो दोस्तों, राजा (गोविंदा) और बिजली (अनिल कपूर), की हास्यप्रद जुगलबंदी और चांदनी (जूही चावला) के लिए उनके प्यार की जंग ने दर्शकों को खूब हंसाया था। सलमान खान का फिल्म में कैमियो रोल था और जॉनी लीवर की कॉमेडी ने फिल्म में चार चांद लगा दिए। फिल्म में पप्पू पेजर और बुन्नू का वह सीन आज भी लोगों को हंसने पर मजबूर कर देता है। दीवाना मस्ताना ने न केवल दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई भी की थी। अनीस बाज्मी, जिन्होंने नो एंट्री, वेलकम, सिंह इज किंग, और भूल भुलैया 2 जैसी सुपरहिट कॉमेडी फिल्मों का निर्देशन किया, उन्होंने 1995 में हलचल से अपने निर्देशकीय करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, उन्हें 1998 में प्यार तो होना ही था से पहली बड़ी व्यावसायिक सफलता मिली। अनीस की लेखन और निर्देशन शैली ने बॉलीवुड में हास्य और मनोरंजन का एक नया मानदंड स्थापित किया है।

नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ का नया गाना कोका कोला-2 रिलीज, फैंस उत्साहित

मुंबई । मशहूर गायिका नेहा कक्कड़ और उनके भाई टोनी कक्कड़ का बहुप्रतीक्षित गाना कोका कोला-2 रिलीज हो गया है। टोनी ने सोशल मीडिया के जरिए इस गाने की रिलीज की घोषणा की। प्रशंसकों के बीच इस गाने को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि यह 2019 में आए हिट गाने कोका कोला का सीक्वल है। टोनी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर किया। इस क्लिप के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, कोका कोला-2 अब रिलीज हो चुका है। इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया, और फैंस ने कमेंट्स में गाने की तारीफ शुरू कर दी। कोका कोला-2 में नेहा कक्कड़, टोनी कक्कड़ और जूनियर ने अपनी आवाज दी है। गाने के बोल टोनी कक्कड़ ने लिखे हैं। इसके अलावा, गाने का म्यूजिक भी टोनी ने ही कंपोज किया है, और उन्होंने इसे प्रोड्यूस भी किया है। गाने का म्यूजिक वीडियो भी दर्शकों को खूब लुभा रहा है। इसमें नेहा कक्कड़, टोनी कक्कड़ और जूनियर की शानदार परफॉर्मेंस देखने को मिल रही है। नेहा के एनर्जेटिक डांस मूव्स और उनकी आवाज गाने को और आकर्षक बनाती हैं। वीडियो में रंग-बिरंगे सेट्स, मॉडर्न बीट्स और ट्रेंडी वाइब्स का मिश्रण है, जो दर्शकों को खास तौर पर पसंद आ रहा है।

मेट्रो बाजार

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा फिनटेक स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बना

बेंगलुरु । भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा फिनटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है और 2025 के पहले नौ महीनों में यह 1.6 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाने में कामयाब रहा है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के आंकड़ों के अनुसार, स्टार्टअप फंडिंग के मामले में भारत अब केवल अमेरिका और ब्रिटेन से पीछे है, जो वैश्विक स्तर पर भारत के फिनटेक क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दिखाता है। अर्ली स्टेज स्टार्टअप्स ने 2025 में अब तक 598 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई है, जो कि 2024 के 555 मिलियन डॉलर के आंकड़े से अधिक है, जो दशार्ता है कि निवेशकों का विश्वास भारतीय फिनटेक सेक्टर में बना हुआ है। हालांकि, लेट-स्टेज फंडिंग 2025 के पहले नौ महीनें में कम होकर 863 मिलियन डॉलर पर पहुंच गई है, जो कि 2024 में समान अवधि में 1.2 अरब डॉलर पर थी। इसके साथ, सीड-स्टेज फंडिंग कम होकर 129 मिलियन डॉलर हो गई है। समीक्षा अवधि में दो स्टार्टअप 100 मिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग जुटाने में कामयाब रहे हैं, जिसमें ग्रो ने सीरीज एफ राउंड में 202 मिलियन डॉलर जुटाए हैं, जबकि वीवर सर्विसेज ने 170 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। इस अवधि में 23 अधिग्रहण हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में मामूली वृद्धि है, जिसमें सबसे बड़ा अधिग्रहण डिजीनेक्स द्वारा रिजल्टिक्स का 2 अरब डॉलर में अधिग्रहण था।

म्यूचुअल फंड एसआईपी इनफ्लो सितंबर में 4 प्रतिशत बढ़कर 29,361 करोड़ हुआ

मुंबई । भारत का म्यूचुअल फंड एसआईपी इनफ्लो सितंबर में 4 प्रतिशत बढ़कर 29,361 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि अगस्त में 28,265 करोड़ रुपए पर था। यह जानकारी एएमएफआई डेटा में शुक्रवार को दी गई। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश बढ़ना दिखाता है कि लोग अनुशासित तरीके से निवेश करने पर विश्वास कर रहे हैं। एसपीआई में निवेश बढ़ने से फोलियो की संख्या 25 करोड़ के आंकड़े को पार कर 25.19 करोड़ हो गई है, जो कि अगस्त में 24.89 करोड़ थी।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एएमएफआई) की ओर से जारी किए गए डेटा के मुताबिक, सितंबर में कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर 75.6 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि अगस्त में 75.2 लाख करोड़ रुपए था। एएमएफआई के डेटा के मुताबिक, सितंबर में इक्विटी इनफ्लो 30,422 करोड़ रुपए रहा है, जो कि अगस्त के 33,430 करोड़ रुपए के इनफ्लो के मुकाबले 9 प्रतिशत कम है। आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में इनफ्लो 8,363 करोड़ रुपए रहा है, जो कि अगस्त में 2,859 करोड़ रुपए था। इसमें 2.82 गुना की बढ़त देखी गई है। इसकी वजह सोने की कीमतों में तेजी के माना जा रहा है। सितंबर में नौ नए फंड लॉन्च हुए, जिन्होंने कुल मिलाकर 1,959 करोड़ रुपए जुटाए, जिसमें एक सेक्टोरल फंड, एक हाइब्रिड फंड और अन्य इंडेक्स फंड थे।

एलएंडटी के वेयर हाउस में भीषण आग, 10 करोड़ का माल राख

कानपुर, एजेंसी

कानपुर में पनकी थाना क्षेत्र के पड़ाव स्थित मेट्रो को माल सप्लाई करने वाली कंपनी एलएंडटी के वेयर हाउस में देररात आग लग गई, जिसको बुझाने में करीब 5 से अधिक घंटे लग गए। आग से करीब 10 करोड़ रुपये कीमत का माल जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पनकी पड़ाव में रोहित बाजपेई के मकान के पीछे गोदाम है, जिसे मेट्रो ने किराये पर लेकर अपना वेयर हाउस बनाया है। यार्ड में केमिकल होने के चलते आग ने विकराल रूप ले लिया। हालांकि, तमाम प्रयासों के बाद भी करीब पांच घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। वेयर हाउस के बगल में हॉस्टल है। आग की लपटों ने हॉस्टल समेत पड़ोस के 10 घरों को चपेट में ले लिया। आग की लपटों से हॉस्टल की छत पर पानी की टंकी और तख्त समेत अन्य सामान जल गए।

बिहार विधानसभा चुनावः मांझी-कुशवाहा भी मान गए, महागठबंधन में भी सहमति बनाने की कोशिश

भोजपुरी फिल्म स्टार पवन सिंह चुनाव नहीं लड़ेंगे, 26 सीटों पर माने एलजेपी चीफ

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की चुनावी प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई है। इस बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर चल रही बातचीत अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। उधर, महागठबंधन के सहयोगी दलों राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस, वामपंथी दल और वीआईपी के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर गतिरोध को समाप्त करने की कोशिशें जारी है। कुछ समय से विवादों में आए भोजपुरी फिल्म स्टार पवन सिंह चुनाव नहीं लड़ेंगे। पवन सिंह ने आज सोशल मीडिया एक्सपर्ट लिखा कि वह पार्टी के सच्ची सिपाही है और विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। अब उपेंद्र कुशवाहा भी सीट बंटवारे से नाराज बताए जा रहे हैं। हालांकि एनडीए नेता उन्हें मनाने में जुटे हुए हैं। उम्मीदवारों के नामों के साथ सीटों की अंतिम सूची 13 अक्टूबर को आने की संभावना है। नित्यानंद राय और धर्मेंद्र प्रधान ने चिराग पासवान को राजी किया, जिन्हें 25-26 सीटें मिल सकती हैं। इसके अलावा, जीतन राम मांझी (7-8 सीटें) और उपेंद्र कुशवाहा (5-6 सीटें) को भी अंतिम ऑफर देकर राजी कर लिया गया है। सोशल मीडिया पर भाजपा के 40 संभावित उम्मीदवारों की सूची सामने आई है। सूची में भाजपा मौजूदा विधायक, मंत्री और संगठन से जुड़े वरिष्ठ नेता शामिल हैं। आलाकमान ने इन्हें सर्वे और समीकरण में फिट पाया है।

नीतीश कुमार के घर में बगावत, हरनौत में विधायक के खिलाफ बवाल और हंगामा

राजगीर के बाद अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पैतृक क्षेत्र हरनौत में भी जेडीयू के भीतर बगावत के सुर तेज हो गए हैं। हरनौत से पांच बार के जेडीयू विधायक हरिनारायण सिंह के खिलाफ कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है। आरोप है कि वे पार्टी में परिवारवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। जेडीयू के वरिष्ठ नेता संजय कांत सिन्हा ने कहा कि नीतीश हमेशा परिवारवाद के खिलाफ बात करते हैं, लेकिन हरनौत में वही परिवारवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। हरिनारायण सिंह अपने पुत्र को टिकट दिलाने की कोशिश में लगे हैं। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि पार्टी इस बार हरिनारायण सिंह या उनके पुत्र अनिल कुमार को टिकट देती है, तो हरनौत के हजारों कार्यकर्ता उनका खुला विरोध करेंगे। जेडीयू कार्यकर्ताओं की मांग है कि पार्टी निशांत कुमार को मौका मिलना दे।

भाजपा में सीट बंटवारे पर सहमति, आज शाम को हो सकता है ऐलान

भाजपा बिहार कोर कमिटी की आज नई दिल्ली में बैठक चल रही है। इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान, बिहार प्रभारी विनोद तावड़े और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं। बताया जा रहा है कि एनडीए में सीट बंटवारे पर आखिरकार सहमति बन गई है, जिसकी घोषणा आज शाम को होने की संभावना है।

प्रशांत किशोर से मिलीं पवन सिंह की पत्नी ज्योति

भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने जनसुराज अभियान के प्रमुख प्रशांत किशोर (पीके) से मुलाकात की। ज्योति सिंह ने स्पष्ट किया कि वे चुनाव लड़ने या टिकट मांगने नहीं आई हैं, बल्कि अपने साथ हुए अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और तमाम महिलाओं के लिए न्याय की मांग करने आई हैं।

महागठबंधन में सहमति के प्रयास अंतिम दौर में

महागठबंधन के घटक दलों के बीच भी सीटों के बंटवारे को लेकर अब तक सहमति नहीं बन सकी है। राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने गतिरोध को समाप्त करने के लिए विकासशील इंसान पार्टी अध्यक्ष मुकेश सहनी के साथ बातचीत की। सीपीआई और सीपीएम के राष्ट्रीय महासचिव भी सीट बंटवारे के मुद्दे को सुलझाने के लिए पटना में हैं। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने स्पष्ट किया कि सीट बंटवारे को लेकर कोई मतभेद नहीं है और चर्चा जारी है। सभी दलों का उचित सम्मान होगा। सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। इधर, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने जेडीयू को बड़ा झटका दिया। जेडीयू के पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा, पूर्व विधायक राहुल शर्मा और सांसद गिरधारी यादव के बेटे चाणक्य प्रकाश रंजन आरजेडी में शामिल हो गए। संतोष कुशवाहा को धमदाहा सीट से, जबकि राहुल शर्मा को घोसी विधानसभा क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतारा जा सकता है।

उत्तर कोरिया में सेना की परेड

खतरनाक हथियारों के दिखाए करतब

नई दिल्ली। उत्तर कोरिया में किम जोंग उन की सत्ताधारी पार्टी को बने 80 साल पूरे हो चुके हैं। उत्तर कोरिया में धूमधाम से इसका जश्न मनाया गया। इस समारोह में सेना की परेड देखने को मिली। साथ ही कई देशों से आए विदेशी मेहमानों का भी शानदार स्वागत किया गया। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार,वर्कर्स पार्टी के 80 साल पूरे होने के मौके पर 10 अक्टूबर को किम द्वितीय संग स्क्वायर में सेना की भव्य परेड हुई। परेड के दौरान उत्तर कोरिया ने कई खतरनाक हथियारों से भी कर्तब दिखाया गया, जिनमें इंटर कॉन्टीनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का नाम भी शामिल थी। उत्तर कोरिया में आयोजित इस कार्यक्रम में चीन, रूस और वियतनाम के उच्च पदस्थ नेता मौजूद थे। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ उत्तर कोरिया पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जवाब दाखिल करने चार हफ्ते का दिया वक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने शुक्रवार को सालिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलील दर्ज की कि पिछले साल इस क्षेत्र में शांतिपूर्ण चुनाव हुए थे, लेकिन सुरक्षा चिंताओं और हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर विचार करने के लिए और समय की आवश्यकता है। सालिसिटर जनरल ने कोर्ट को यह भी बताया कि केंद्र सरकार इस मामले में स्थानीय प्रशासन से परामर्श कर रही है। आवेदकों में विधायक इरफान हाफिज लोन, कालेज शिक्षक जहूर अहमद भट और एक्टिविस्ट खुर्शीद अहमद मलिक शामिल हैं। ये आवेदन संविधान के अनुच्छेद 370 के संबंध में निस्तारित मामले में दायर किए गए। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को निरस्त करने का फैसला बरकरार रखा था। सुनवाई के दौरान सीजेआई गवई ने पहलगाम घटना का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि यह क्षेत्र सुरक्षा खतरों से ग्रस्त है। इस अवसर पर जहूर भट की ओर से वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि पहलगाम उनकी निगरानी में हुआ। केंद्र शासित प्रदेश यानी केंद्र की निगरानी में। इस पर तुषार मेहता ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि उनकी निगरानी क्या है? यह हमारी सरकार के अधीन है। मैं इस पर आपत्ति करता हूं। शंकरनारायणन ने 2023 के अनुच्छेद 370 के फैसले में राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में केंद्र सरकार के आश्वासन का हवाला देते हुए कहा कि तब से अब तक बहुत पानी बह चुका है।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का मामला

फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम शुरू कराने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ के पदाधिकारी डॉ. भूपेंद्र बाथरी एवं डॉ. सोनिया श्रीवास्तव ने गवर्नमेंट होम्योपैथी कॉलेज/ हॉस्पिटल कैम्पस भोपाल में फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम शुरू कराने की मांग को लेकर आयुष विभाग मंत्री इंदर सिंह परमार के निज सचिव एस. मिश्रा को उनके कार्यालय पहुँच कर ज्ञापन सौंपा।

हवाला के रुपए हड़पने की आरोपी एसडीओपी पूजा पांडे सस्पेंड, मामले में विभागीय जांच जारी

सिवनी, एजेंसी

हवाला के रुपए दबाने के मामले में कार्रवाई जारी है। जबलपुर रेंज के डीआईजी ने पहले नौ पुलिसकर्मियों निलंबित किया था। अब एसडीओपी पूजा पांडे को डीजीपी कैलाश मकवाना ने सस्पेंड कर दिया है। वहीं, मामले में विभागीय जांच जारी है। पुलिस मुख्यालय ने अपने आदेश में कहा है कि आठ अक्टूबर की रात एनएच-44 शीलादेही बायपास सिवनी में चेकिंग के दौरान पकड़ी गई राशि में गंभीर कदाचार सामने आया है। इसमें एसडीओपी पूजा पांडे का संदिग्ध आचरण पाया गया है। इसके बाद निलंबन की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही मामले की जांच रही है। आरोपी है कि हवाला कारोबारी रुपए के साथ नागपुर जा रहा था। पुलिस चेकिंग में गाड़ी पकड़ी गई तो बिना कार्रवाई के उसे छोड़ दिया गया। साथ ही कोई एफआईआर भी दर्ज नहीं हुई। कथित रूप से चर्चा है कि करीब डेढ़ करोड़ रुपए स्थानीय पुलिसकर्मियों ने आपस में बांट लिए।

गौरतलब है कि इस घटना के खुलासे के बाद एमपी पुलिस की किरकिरी हो रही है। साथ ही कई सवाल उठ रहे हैं। सिवनी की सीमा महाराष्ट्र बॉर्डर से लगता है। वहां चेकपोस्ट भी है। ऐसे में वसूली की शिकायतें आए दिन मिलते रहती है। अब देखना होगा कि वसूली के रुपए इन पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के पास से जब्त होते हैं या नहीं।

पश्चिम बंगाल में दोस्त के साथ गोल गप्पे खाने गई मेडिकल छात्रा से रेप

दुर्गापुर, एजेंसी

दुर्गापुर में डॉक्टर की पढ़ाई कर रही एक छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। फिलहाल पीड़िता का इलाज शोभापुर स्थित एक निजी मेडिकल कालेज अस्पताल में चल रहा है। छात्रा ओडिशा के जालेश्वर की रहने वाली है। पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी बेटी मेडिकल कालेज में दूसरे वर्ष की छात्रा है। शुक्रवार रात करीब 9 बजे वह अपने एक मित्र के साथ गुपचुप खाने के लिए बाहर गई थी। तभी रास्ते में दो-तीन युवक आए और उन्होंने छात्रा को रोककर जबरन दबोच लिया। वे लोग सुनसान जगह पर ले जाकर एक युवक ने दुष्कर्म किया। घटना के बाद छात्रा को अस्पताल में भर्ती किया गया। उसके मित्र वासु अली की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। सुबह पीड़िता के माता-पिता दुर्गापुर पहुंचे और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस भी सूचना मिलते ही अस्पताल पहुंची, पीड़िता के बयान दर्ज किए। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस घटना में वास्तव में कितने लोग शामिल थे। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

मेट्रो एंकर

अमेरिका-चीन में ट्रेड वॉर शुरू, ट्रंप का दावाः अमेरिकी हितों के लिए कार्रवाई

ट्रंप ने ड्रैगन पर लगाया 100 प्रतिशत टैरिफ, 1 नवंबर से लागू

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी उद्योगों के लिए जरूरी दुर्लभ मृदा खनिजों के निर्यात पर चीन के प्रतिबंध के बाद दोनों देशों में तल्खी बढ़ती जा रही है। ट्रंप ने इसे चीन का आक्रामक रुख बताते हुए अब चीनी उत्पादों पर अधिक टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 2025 से अमेरिका चीन से आयातित सभी उत्पादों पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा। यह टैरिफ पहले से लागू शुल्क के ऊपर होगा। अमेरिका उसी दिन सभी महत्वपूर्ण (क्रिटिकल) सॉफ्टवेयर पर भी निर्यात नियंत्रण लागू करेगा। ट्रंप ने नए टैरिफ का एलान अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के जरिए किया। इसमें उन्होंने लिखा कि 1 नवंबर 2025 से अमेरिका चीन से सभी आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा, जो वर्तमान में भुगतान किए जा रहे किसी भी टैरिफ के ऊपर होगा।

बता दें, साल की शुरुआत में घोषित आयात करों के बाद अमेरिका और चीन व्यापार वार्ता में बढ़त हासिल करने की होड़ में हैं। स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम में वार्ता के बाद दोनों देश टैरिफ कम करने पर सहमत हो गए, फिर भी तनाव है, क्योंकि चीन ने अमेरिका की दुर्लभ मृदा तक पहुंच को प्रतिबंधित करने की कोशिश की, जिसका खनन कठिन है और जो अमेरिकी प्रौद्योगिकियों की विस्तृत श्रृंखला के लिए जरूरी है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका की यह कार्रवाई केवल अमेरिकी हितों के लिए है और अन्य देशों के लिए अलग से निर्णय लिया जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में चीन से अमेरिका आयातित लगभग हर उत्पाद पर पहले से ही भारी टैरिफ लागू हैं। इस समय औसत प्रभावी टैरिफ दर लगभग 40 प्रतिशत है, जिसमें स्टील और एल्यूमीनियम पर 50 प्रतिशत और उपभोक्ता वस्तुओं पर 7.5 प्रतिशत तक शुल्क शामिल है।

शी से मुलाकात से ट्रंप का इनकार

इससे पहले उन्होंने दक्षिण कोरिया की आगामी यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि अब इस मुलाकात का कोई कारण नहीं दिखाई देता। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि चीन ने रेयर अर्थ पर प्रतिबंध जारी रखा तो और भी कड़े कदम उठाए जा सकते हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट में लिखा था कि, हम जिन नीतियों पर विचार कर रहे, उनमें से एक है-अमेरिका में आने वाले चीनी उत्पादों पर टैरिफ में भारी वृद्धि। कई अन्य प्रति-उपाय भी हैं, जिन पर गंभीरता से विचार हो रहा।

दुर्लभ चुंबकों तक पहुंच को सीमित कर दुनिया को बंदी बना रहा

ट्रंप ने कहा था कि चीन बहुत आक्रामक होता जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर चिप्स, लेजर और अन्य तकनीकों में इस्तेमाल होने वाली धातुओं और दुर्लभ चुंबकों तक पहुंच को सीमित कर दुनिया को बंदी बना रहा है। ट्रंप ने पोस्ट किया, मैंने राष्ट्रपति शी से बात नहीं की है, क्योंकि ऐसा करने का कारण नहीं था। यह न केवल मेरे लिए, बल्कि मुक्त विश्व के सभी नेताओं के लिए वास्तविक आश्चर्य था।

चीन ने दो दिन पहले की रेयर अर्थ पर नए प्रतिबंधों की घोषणा

गौरतलब है कि चीन ने दो दिन पहले ही रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिज) और उनसे जुड़ी तकनीकों के निर्यात पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की थी। चीन ने यह कदम अमेरिकी राष्ट्पति ट्रंप और राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच इस महीने के अंत में होने वाली बैठक से पहले उठाया था। चीन के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी नियमों के अनुसार, अब विदेशी कंपनियों को ऐसे किसी भी उत्पाद का निर्यात करने से पहले विशेष मंजूरी लेनी होगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564